अर्बन एक्शन किट

अर्बन एक्शन किट शहरी लचीलेपन के लिए सरल, मितव्ययी, स्वयं करने योग्य गतिविधियों का समूह है। गतिविधियों के लिए बहुत कम धन की जरूरत है या इसकी बिलकुल जरूरत नहीं है, ये अल्पकालिक संलग्नताएं हैं और ये मौजूदा नेटवर्कों और कौशलों का उपयोग करती हैं।

किट में सात मॉड्यूल हैं: शहरी, रचनात्मक संचार, शहरी कृषि, प्रारंभिक चेतावनी व प्रारंभिक कार्रवाई, प्रकृति-आधारित-समाधानों, और जीने योग्य शहरों से परिचय। प्रत्येक मॉड्यूल में एक संकल्पना संक्षिप्त विवरण कार्ड, चार से पांच गतिविधि कार्डों और एक वैश्विक नीति कार्ड की श्रृंखला होती है। गतिविधियों को एक साथ या अलग-अलग लागू किया जा सकता है।

इसे आज़माएं! मॉड्यूल चुनें। ऐसी गतिविधि खोजें जो आपके समुदाय की आवश्यकताओं और आपके कौशल के अनुरूप हो -- फिर काम में जुट जाएं!

यह किट इनके द्वारा तैयार की गई:

Centro del Clima

Global Disaster Preparedness Center

IFRC

RESURGENCE.

Wetlands INTERNATIONAL

इनसे प्राप्त धनराशि से:

eit Climate-KIC

Climate-KIC is supported by the EIT, a body of the European Union

The Netherlands Red Cross

German Red Cross

PARTNERS FOR RESILIENCE

हमें बताएं कि आप क्या सोचते हैं! हमें cities@climatecentre.org पर ईमेल भेजें या https://bit.ly/UAK_feedback पर हमारे सर्वेक्षण में भाग लें।

BAKERY

शहरीकरण और शहरी संदर्भ

पिछले 40 वर्षों में, शहरों – कम से कम 50,000 निवासियों की घनी आबादी वाले महानगरों – की जनसंख्या दोगुनी से अधिक हो गयी है, 2015 में यह संख्या कुल 3.5 अरब थी। 2.1 अरब अन्य लोगों के कम घनी आबादी वाले क्षेत्रों में रहने की भविष्यवाणी के साथ, वर्ष 2050 तक विश्व की कुल शहरी आबादी 5.6 अरब (62 प्रतिशत) तक पहुँच जायेगी । संयुक्त राष्ट्र का अनुमान है कि शहरी आबादी में वृद्धि का 90 प्रतिशत हिस्सा एशिया और अफ्रीका के विकासशील देशों के छोटे और मँझोले शहरों में होगा ।

शहरों के तेज़ी से और अनियोजित ढंग से बढ़ने के कारण जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित होने वाले लोगों की संख्या में भी वृद्धि होती है। बहुत से बड़े शहर नदियों के डेल्टा क्षेत्र में हैं और उनके बाढ़ तथा अन्य खतरों से प्रभावित होने की आशंका अधिक होती है। इसके कारण हैं – ज़मीन की सतह का पानी सोखने योग्य न होना, बड़ी मात्रा में भूजल का दोहन और प्राकृतिक पर्यावरण का विनाश।

जलवायु परिवर्तन शहरों के सामने कई बड़ी चुनौतियाँ रखता है, जिनमें अत्यंत जटिल और एक-दूसरे से जुडी प्रणालियाँ शामिल होती हैं। इन प्रणालियों में बाज़ार, सोशल नेटवर्क और निर्मित सतहें (इमारतें, सड़कें और अन्य बुनियादी ढाँचे) आदि आते हैं। आगामी दशकों में जलवायु परिवर्तन के प्रभाव (अधिक वर्षा, तूफ़ान, बाढ़, हीटवेव्स और शहरी गर्म द्वीप प्रभाव) और बढ़ने की भविष्यवाणी की जा रही है। दीर्घावधि प्रभावों, जैसे समुद्र का जल-स्तर बढ़ने, की भी आशंका व्यक्त की जा रही है।

शहरों के बुनियादी ढाँचे को इन सब प्रभावों का सामना करने के लिए तैयार होना पड़ेगा। जब बुनियादी ढाँचा अक्षम होता है, तब व्यापार, स्थानीय बाज़ार और सेवायें जैसेकि परिवहन, बिजली आपूर्ति और शिक्षा भी कमज़ोर हो जाते हैं। वर्तमान विश्वव्यापी महामारी कोविड-19 ने शहरी प्रणालियों के एक-दूसरे से जुड़े होने और उनकी कमज़ोरियों को तो उजागर किया ही है पर साथ में, लोगों के स्वास्थ्य से लेकर बाज़ारों और सामाजिक-आर्थिक व्यवस्था तक उनके व्यापक असर को भी रेखांकित किया है।

इस मॉड्यूल में, हम जानेंगे कि शहरों में जलवायु परिवर्तन से संबंधित ख़तरों को कैसे पहचानें और शहरी प्रणालियों का नक़्शा कैसे बनायें। इससे यह पहचानने में मदद मिलेगी कि जलवायु परिवर्तन और अन्य आपदायें शहर की प्रणालियों और विभिन्न समुदायों की सक्षमता पर कैसे असर करती हैं।

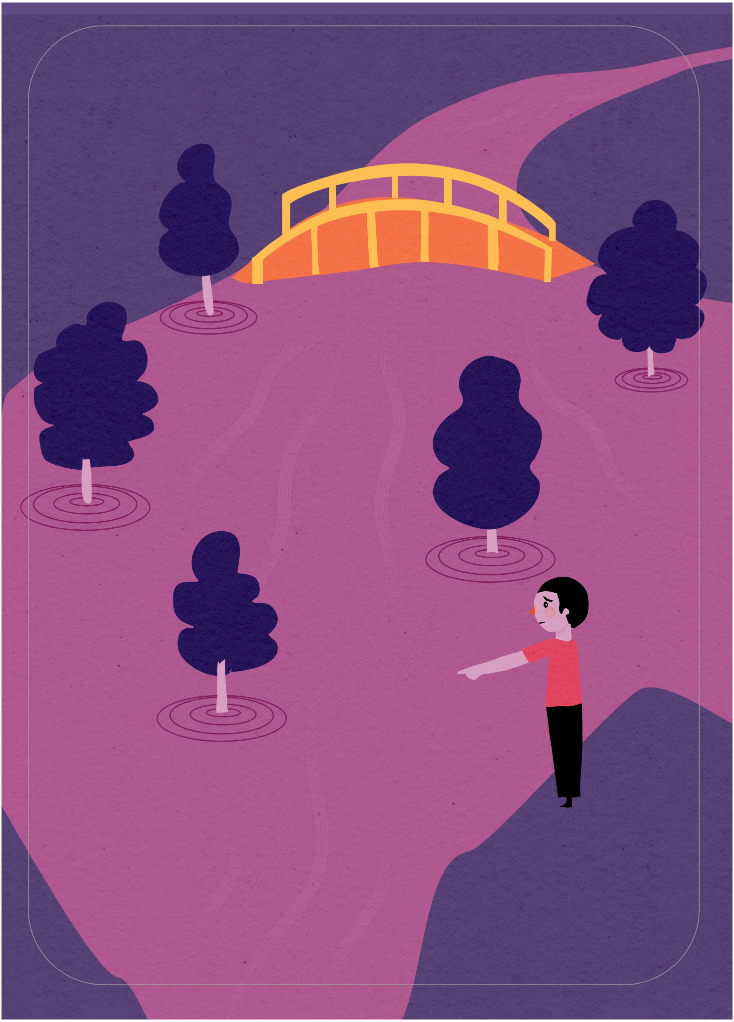

अपने शहर के जलवायु-संबंधी खतरों को पहचानना

इस गतिविधि का उद्देश्य है, कर्मचारियों और स्वयंसेवकों को अपने शहर, ज़िले या पास-पड़ोस (शहर के आकार के अनुसार) के जलवायु-संबंधी ख़तरों और समुदाय के सामने आने वाली बाधाओं को पहचानने के लिए प्रोत्साहित करना। इसमें लगभग 40 मिनट का समय लगता है।

1. 4-6 लोगों के ग्रुप बनायें और हर ग्रुप को शहर का एक प्रिंटेड नक़्शा दें। हर प्रतिभागी को 10-15 स्टिकी नोट्स बाँट दें।
2. हर ग्रुप से कहें कि शहर के अलग-अलग हिस्सों में लोगों के सामने आने वाले खतरों की चर्चा करें और स्टिकी नोट्स पर लिखें। फिर उन स्टिकी नोट्स को नीचे दिखाए तरीके से शहर के नक़्शे पर लगायें (15 मिनट)। ध्यान दीजिये कि कौन सा खतरा शहरभर के लोगों को प्रभावित करता है – यह शहर-स्तर का खतरा है।
3. हर ग्रुप से कहें कि जलवायु परिवर्तन से संबंधित तीन सबसे बड़े खतरों की पहचान करें; चर्चा करें कि ये पूरे शहर के लिए खतरा हैं या किसी विशेष भौगोलिक स्थान के लिए; और इसे अपने स्टिकी नोट्स पर दर्ज करें (15 मिनट)।
4. सभी ग्रुपों से कहें कि पहचाने गये खतरों को मिलाकर एक नक़्शे पर दिखायें।
5. जिन क्षेत्रों में खतरों का जमावड़ा हो रहा हो, नक़्शे पर घेरा बनाकर उनकी पहचान करें और प्रतिभागियों से विचार करने को कहें कि क्या ये खतरे आपस में जुड़े हुए हैं और अगर ऐसा है तो क्यों। (5 मिनट)।
6. इस गतिविधि के परिणाम 1-2 पृष्ठ की रिपोर्ट में बतायें। शहरी समुदायों को बदलती जलवायु का सामना करने में अधिक सक्षम बनाने के उद्देश्य से खतरों के विस्तृत विश्लेषण की शुरुआत इसी रिपोर्ट से हो सकती है।

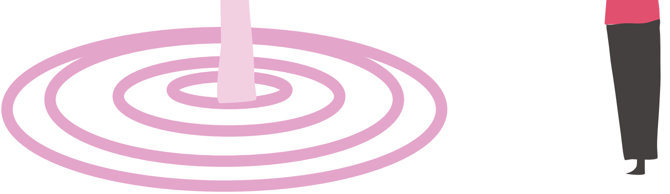

इंडोनेशियन रेड क्रॉस सोसाइटी की सेमरंग सिटी शाखा ने इस गतिविधि को पूरा किया और बार-बार बाढ़ आने, कचरे को ठीक से न निपटाने और नदी-तल में गाद जमा होने/ पार जाने में कठिनाई होने को जलवायु परिवर्तन के कारण होने वाले तीन सबसे बड़े खतरे बताया। इसके बाद, विचार-विमर्श के परिणामस्वरूप स्कूलों के साथ मिलकर नदी की सफाई का अभियान चलाया गया, बाढ़ का पानी निकालने के लिए पंप लगाये गये और स्थानीय सरकार के सहयोग से मैनग्रोव्स में वृक्षारोपण किया गया।

शहरी प्रणालियों को चिन्हित करना

इस गतिविधि में जलवायु-संबंधी आघातों के आगे शहर की प्रणालियों की कमज़ोरियों को चिह्नित करने और उनका विश्लेषण करने के दिशा-निर्देश दिये गये हैं। इसका उपयोग जलवायु-संबंधी खतरों का सामना करने की रणनीतियाँ बनाने या विशिष्ट कार्रवाइयों की प्राथमिकता तय करने के लिए किया जा सकता है। इसमें, शहर और ग्रुप के आकार के अनुसार 40-60 मिनट लगते हैं।

1. 4–6 लोगों के ग्रुप बनायें। हर ग्रुप या तो शहर का नक़्शा बनाये या मौजूदा नक़्शे पर काम करे।

2. हर ग्रुप से कहें कि अपने दैनिक जीवन में काम आने वाली सेवाओं, जैसेकि बिजली/गैस, पानी, सार्वजनिक परिवहन, स्वास्थ्य, शिक्षा की पहचान करे और नक़्शे पर जोड़े।

3. प्रतिभागियों से कहें कि हर सेवा को नक़्शे पर अलग रंग से दिखायें।

4. सभी प्रतिभागियों को एक बड़े ग्रुप में रखकर चर्चा करें:
   a. हर ग्रुप के नक़्शे में क्या समानता और अंतर है?
   b. ¿क्या वे कुछ सेवाओं को चिह्नित करना भूल गये हैं (जैसे बंदरगाह, हवाई अड्डे, सड़क नेटवर्क, पुल, खाद्य आपूर्ति चेन, बैंक का भी उल्लेख करना है)?

छोटे ग्रुप में काम करते हुए प्रतिभागियों से कहें कि किसी पिछली आपदा या जलवायु-संबंधी घटना के कारण शहर की किसी सेवा/प्रणाली के ठप्प हो जाने का वर्णन करें।

6. ग्रुपों से कहें कि शहर की सेवाओं/प्रणालियों पर आपदाओं और जलवायु-संबंधी घटनाओं का असर कम करने वाले कार्यों के बारे में चर्चा करें, जैसेकि:

   - स्थानीय स्वच्छता और जल सुविधायें शुरु करना, विशेष रूप से अनियमित बस्तियों में
   - हरित क्षेत्र बढ़ाने/वापस लाने के लिए इलाक़े को फिर से हरा-भरा बनाने की परियोजनायें लागू करना
   - पर्यावरण जागरूकता/साफ-सफाई की स्थानीय गतिविधियाँ चलाना।

वानुआतू रेड क्रॉस सोसाइटी ने राजधानी लुगानविल के लिए खतरों के आकलन और कार्य योजना पूरी की है। इसमें नगरपालिका, स्थानीय प्रशासन, सामाजिक संगठन और कारोबार के सभी संबद्ध पक्षों ने मिलकर जलवायु के खतरों के सामने शहर की कमज़ोरियों को रेखांकित किया और उनका विश्लेषण किया। सेकेंडरी डाटा विश्लेषण से समर्थित, प्रणाली चिह्नित करने की गतिविधि ने शहर की कमज़ोरियों के बारे में प्रतिभागियों की जागरूकता बढ़ायी और वानुआतू रेड क्रॉस सोसाइटी का शहर के मुद्दों से निपटने का विश्वास भी मज़बूत किया।

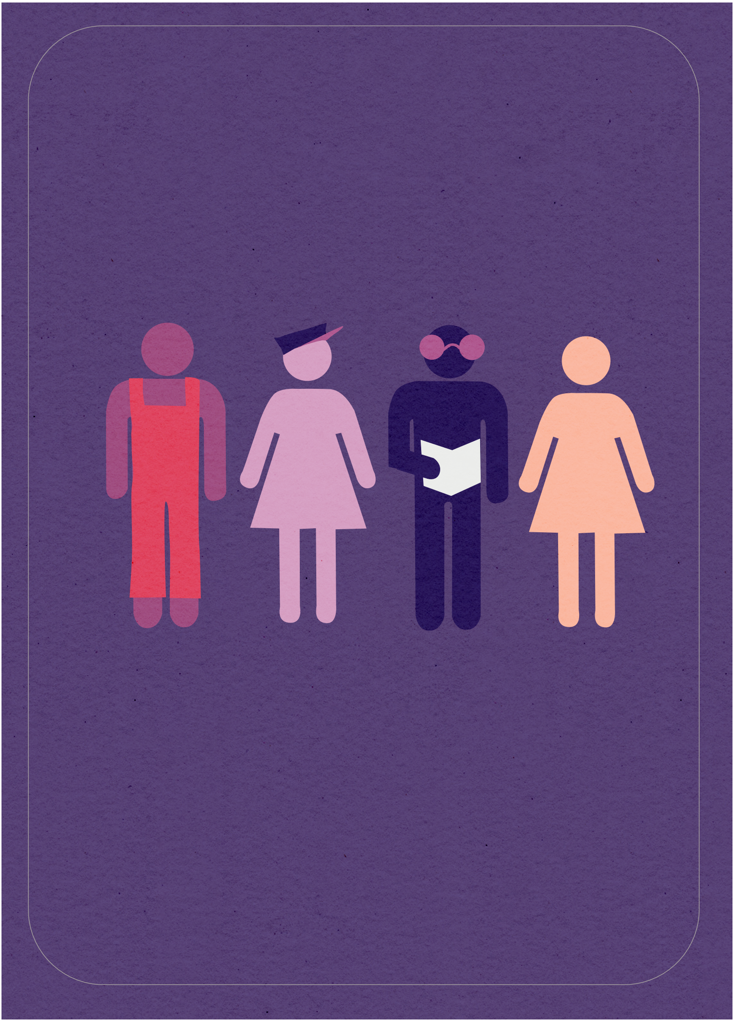

अधिक प्रभावित होने वाले समूहों की पहचान

इस गतिविधि से शहर के उन समूहों की पहचान करने में मदद मिलती है, जो विभिन्न प्रकार के खतरों से सबसे अधिक प्रभावित हो सकते हैं। यह गतिविधि समानधर्मा गुटों (समान रुचियों/अनुभवों वाले लोगों के समूह) पर केंद्रित है। एक ही व्यक्ति, औपचारिक या अनौपचारिक रूप से कई समानधर्मा गुटों में शामिल हो सकता है।

1. अवधारणा बनाने के लिए एक टीम बनायें। यह आपकी परियोजना टीम, महत्त्वपूर्ण भागीदारों के प्रतिनिधि या समुदाय केंद्रित ग्रुप भी हो सकता है।
2. हर व्यक्ति से कहें कि वे निजी तौर पर शहर में जितने समानधर्मा ग्रुप्स के बारे में सोच सकते हैं, उनकी सूची बनायें। उदाहरण के तौर पर शिक्षक, बस ड्राइवर, सफाई कर्मचारी, विकलांग व्यक्ति, साइकिल से काम पर जाने वाले, छोटे व्यापारी, बच्चे, माता-पिता। इसी तरह बहुत से और ग्रुप। यह सूची बनाने के लिए लोगों के रोज़गार, दैनिक गतिविधि, आवागमन और रुचियों के बारे में सोचें।
3. प्रतिभागियों से कहें कि तीन-तीन का दल बनाकर समानधर्मा ग्रुप्स की अपनी सूची को जोड़ें। इन टीमों से विचार करने को कहें कि कोई समानधर्मा ग्रुप छूट तो नहीं गया है, ख़ास तौर पर ऐसा समूह जो जलवायु के खतरों के आगे बेबस हो, और उसे भी सूची में जोड़ें।
4. हर टीम से आकलन करने को कहें कि प्रत्येक समानधर्मा ग्रुप की जलवायु के चिन्हित खतरों से प्रभावित होने की संभावना 'बहुत अधिक', 'मध्यम' या 'कम' है।
5. पूर्ण सत्र में सभी टीमें बतायें कि उन्होंने विभिन्न समानधर्मा ग्रुपों को किस श्रेणी में रखा है। इन पर चर्चा करें:
   a. टीमों के बीच अंतर
   b. समानधर्मा ग्रुप जिनका उल्लेख केवल एक बार हुआ।
6. पूर्ण सत्र में निर्णय करें कि कौन से समानधर्मा ग्रुप सबसे अधिक प्रभावित होने वाले हैं, इसलिए तैयारी गतिविधियों में उनकी प्राथमिकता सबसे अधिक है।

साउथ कैरोलिना की जॉर्जटाउन काउंटी भीषण बाढ़ से प्रभावित हुई। शोधकर्ताओं को पता चला कि जो लोग निचले इलाक़ों में रहते थे, ज़रूरी नहीं था कि वे ही सबसे अधिक प्रभावित हुए हों क्योंकि उनके पास अक्सर बाढ़ का बीमा या अन्य उपाय, जैसेकि अतिरिक्त वित्तीय संसाधन मौजूद थे। बल्कि जो लोग नदी से कुछ दूरी पर रहते थे, जिन्हें बाढ़ से अपेक्षाकृत कम खतरा था और जिनके पास सामाजिक सुरक्षा या बीमा भी नहीं था, वही सबसे अधिक प्रभावित होने वाले लोग थे।

भागीदारी बनाना

भागीदारी बनाना, किसी भी पहल का असर बढ़ाने का बहुत अच्छा तरीका है क्योंकि इस तरह आप समान कौशल और संसाधन वाले लोगों और संस्थाओं का सहयोग प्राप्त कर सकते हैं। अक्सर जब कुछ भागीदार आपके साथ होते हैं तब बहुत से अन्य लोग भी पूछने लगते हैं कि वे आपसे कैसे जुड़ें और सहायता करें।

1. पहल की पहचान करें। उसकी उपलब्धि के संक्षिप्त दृष्टिकोण का मसौदा तैयार करें। बड़ा सोचें – विशिष्ट, साहसिक और वास्तविक दृष्टिकोण सबसे अधिक प्रेरक होते हैं।

2. अपने दृष्टिकोण को प्राप्त करने के लिए आवश्यक सभी संसाधनों की पहचान करें। उनकी स्पष्ट शब्दों में सूची बनायें, जैसेकि धन की नहीं, कौशल, लोगों के समय, उत्पाद, मीडिया कवरेज की बात करें।

3. पहचान करें कि आप भागीदारी को कौन से संसाधन दे सकते हैं। रणनीति बनायें – अपने सबसे बड़े वर्धित मूल्य पर ध्यान दें।

4. शुरुआत करने के लिए आपको अपने भागीदारों से किन संसाधनों की सबसे पहले ज़रूरत है, इसकी पहचान करें। पहचान करें कि संभावित भागीदारों को आपकी पहल में क्यों दिलचस्पी हो सकती है। यह आपके दृष्टिकोण से प्रत्यक्ष रूप से भी जुड़ा हो सकता है या अप्रत्यक्ष रूप से भी। इसका इस्तेमाल उन्हें राज़ी करने के लिए करें।

5. हर भागीदार से अलग-अलग मिलें। शुरुआत उनसे करें जिनके साथ आने की सबसे अधिक सम्भावना है। अपना दृष्टिकोण सामने रखें, उन्हें बतायें कि वे अत्यावश्यक संभावित भागीदार क्यों हैं, इस पहल का उनके लक्ष्यों में क्या योगदान रहेगा, आपको उनके जुड़ने से किस अनोखे योगदान की आशा है, और आपके अपने संसाधनों के अलावा कौन से अन्य भागीदारों और संसाधनों की पुष्टि हो चुकी है।

6. भागीदारों को इकट्ठा करें और काम शुरू करें।

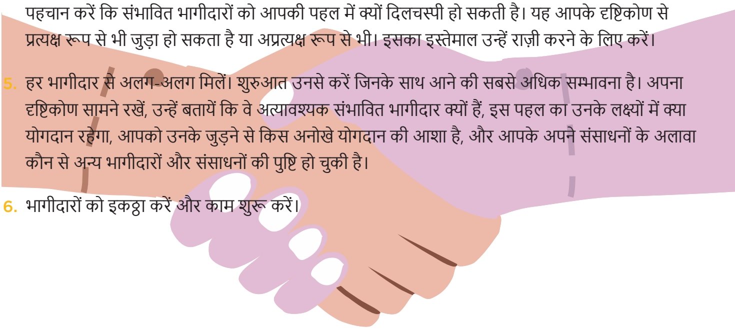

दार-एस्सलाम, तंज़ानिया में, रेड क्रॉस और विश्व बैंक ने नगर अधिकारियों, अर्धी विश्वविद्यालय, दार-एस्सलाम विश्वविद्यालय, ड्रोन एडवेंचर्स और ह्यूमैनिटेरियन ओपनस्ट्रीटमैप टीम (HOT) की भागीदारी में दार-एस्सलाम के बाढ़ से सबसे अधिक प्रभावित होने वाले दस क्षेत्रों को चिन्हित किया। इस प्रयास में हर भागीदार ने अपने विशिष्ट संसाधनों का योगदान दिया: दोनों विश्वविद्यालयों ने अपने शहरी योजना के विद्यार्थी दिये, रेड क्रॉस ने आस-पड़ोस के बारे में जानने वाले स्वयंसेवक दिये, HOT ने ट्रेनिंग दी, विश्व बैंक ने बाढ़ का मॉडल उपलब्ध कराया और ड्रोन एडवेंचर्स ने चिन्हित क्षेत्रों की तस्वीरें खींचने के लिए ड्रोन की सेवायें दीं।

ग्लोबल लिंक

शहरों में लगभग 70 प्रतिशत ऊर्जा की खपत होती है और विश्व के कुल कार्बन उत्सर्जन का 75 प्रतिशत उनसे पैदा होता है। लेकिन, आर्थिक और सामाजिक गतिविधियों के गहन केंद्र होने के कारण वे इसके मूल कारणों को जानने और जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को कम करने के अवसर भी प्रदान करते हैं। शहर की सरकारें/नगरपालिकायें, विश्व भर में कार्बन-मुक्त और चिरस्थायी शहर बनाने की पहल कर रही हैं और कई शहरों के नेटवर्क – जैसेकि C40 शहर लोकल गवर्नमेंट्स फॉर सस्टेनेबिलिटी (ICLEI) – के रूप में मिलकर काम कर रही हैं। राष्ट्रीय समितियाँ इसमें अपनी सहायक भूमिका बढ़ा सकती हैं; और स्थानीय सरकारों के साथ काम करते हुए जलवायु परिवर्तन के समुदाय-आधारित समाधान ढूँढने के शहर के प्रयासों में योगदान दे सकती हैं।

शहरी कृषि

यह मॉड्यूल शहरी उद्यानों में गतिविधियों के ज़रिये कृषि और प्रकृति पर आधारित समाधानों को बढ़ावा देने के सरल और व्यावहारिक तरीके पेश करता है।

शहरी उद्यान पर्यावरण, समाज और अर्थव्यवस्था की दृष्टि से लाभप्रद होते हैं। स्कूलों में, उनके माध्यम से पर्यावरण, कृषि, भोजन और पोषण के बारे में शिक्षा दी जाती है। मोहल्लों में, लोगों को उनकी वजह से स्थानीय और सस्ते फल मिलते हैं और साथ ही कम्पोस्टिंग से कचरा कम होता है। पार्क और अन्य सार्वजनिक हरित स्थल, लोगों को मनोरंजन और आपसी मेल-मुलाक़ात की जगह उपलब्ध कराते हैं जहाँ स्वास्थ्य और सलामती के साथ-साथ नागरिक भागीदारी और सामाजिक सामंजस्य भी बढ़ता है। उद्यानों से शहर का स्वरूप ही बदल जाता है, हवा तथा मिटटी की गुणवत्ता बेहतर हो जाती है और शहर की सूक्ष्म-जलवायु में भी सुधार होता है। उनके कारण पक्की सतहें कम होती हैं, जिससे पानी ज़मीन में जाने लगता है; शहरी स्थलों को हरा-भरा बनाने के नये रचनात्मक तरीके (जैसेकि छत के या लंबवत बगीचे) सामने आते हैं; और ख़ाली जगहों का सदुपयोग होता है। शहरी उद्यान गतिविधियों में शामिल होने से लोगों और पूरे समुदायों को शारीरिक तथा मनोवैज्ञानिक लाभ होते हैं।

इस मॉड्यूल में ऐसी रणनीतियाँ और गतिविधियाँ दी गयी हैं, जिनसे स्थानीय सन्दर्भ और संसाधनों के अनुरूप विभिन्न प्रकार के शहरी उद्यान विकसित करने की जानकारी और समर्थन प्राप्त हो सकता है।

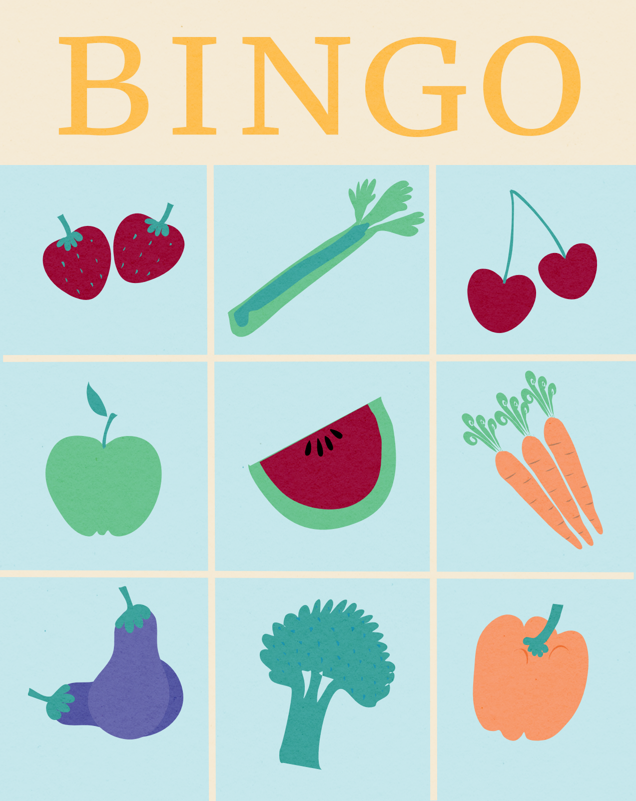
BINGO

गार्डन बिंगो

गार्डन बिंगो, पुराने लोकप्रिय खेल बिंगो पर आधारित है जिसमें होस्ट द्वारा संख्या पुकारे जाने पर हर खिलाड़ी अपने स्कोरकार्ड से उस संख्या को काट देता है। गार्डन बिंगो में, 'खिलाड़ी के कार्ड' पर संख्या की जगह फलों या सब्ज़ियों के चित्र दिये होते हैं। होस्ट 'ट्रिविया कार्ड' से इन उद्यान उत्पादों का विवरण पढ़ता है और हर खिलाड़ी अपने कार्ड से उसे काट देता है। जीत का तरीका वही है कि आपके कार्ड से सारे फल-सब्ज़ियाँ दूसरे लोगों से पहले कट जायें। यह खेल ख़ास तौर पर बच्चों और किशोरों के लिए है ताकि उन्हें पौष्टिक खाना खाने के लिए प्रेरित किया जा सके और कृषि, खाद्य सुरक्षा और पौष्टिक आहार के बारे में उनकी समझ बढ़ायी जा सके।

1. खेल का दिन और समय तय करना इसमें आपके समुदाय के विद्यार्थी या यूथ क्लब शामिल हो सकते हैं।
2. विभिन्न फलों और सब्ज़ियों के चित्र वाले कार्ड डिज़ाइन और प्रिंट करें।
3. ट्रिविया कार्ड के लिए फलों और सब्ज़ियों का विवरण लिखें। हर फल या सब्ज़ी के लिए अलग कागज़ का प्रयोग करें ताकि उन्हें एक-के -बाद-एक पुकारा जा सके।
4. खिलाड़ियों को कार्ड बाँट दें और खेल समाप्त करने के तरीके तय करें (जैसे, फलों और सब्ज़ियों की पंक्तियाँ लंबाई, चौड़ाई या तिरछी कटने पर या कार्ड के सभी चित्र कट जाने पर)।
5. ट्रिविया कार्ड्स को एक-एक करके निकालें। प्रतिभागी उसे पहचानें और अपने कार्ड पर उसके चित्र को काट दें। सबसे पहले, सही तरीके से चित्रों को काटने वाला व्यक्ति खेल जीत जायेगा।

यूनाइटेड किंगडम में प्रीस्कूल, स्कूल और अन्य स्थितियों में भोजन संस्कृति को बदलने के लिए फ़ूड फ़ॉर लाइफ़ काम करता है। पिछले 15 वर्षों से यह खाद्य शिक्षा को बढ़ावा देने के साथ-साथ छात्रों और उनके परिवारों को मज़ेदार गतिविधियों में शामिल करके खाद्य सुरक्षा और कृषि के बारे में जागरूकता भी बढ़ाता है। इस तरह की वैकल्पिक, गतिविधि-आधारित शिक्षा अधिक प्रभावी साबित हुई है क्योंकि फ़ूड फ़ॉर लाइफ़ में हिस्सा लेने वाले स्कूलों में स्कूली भोजन प्राप्त करने वालों और स्कूल की उपस्थिति में भी वृद्धि हुई है।

गेट डिगिंग

गेट डिगिंग, सामुदायिक हरित स्थलों, घर के पिछले हिस्सों या स्कूल के मैदानों में शहरी उद्यान बनाने के लिए समुदायों को प्रोत्साहित करता है। इसमें शामिल होने से स्थानीय निवासियों का बाग़वानी कौशल बढ़ता है और शहरी कृषि, जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण, खाद्य सुरक्षा और पोषाहार के ज्ञान में भी वृद्धि होती है।

1. स्थानीय अधिकारियों के साथ तालमेल कर शहरी उद्यान के लिए उपयुक्त स्थान की पहचान करें (जैसेकि ख़ाली लॉट, व्यक्तिगत लॉट, घर के पीछे का हिस्सा या स्कूल का मैदान)। इस स्थान को उद्यान बनाने की अनुमति माँगें। सुनिश्चित करें कि यह क्षेत्र आसानी से पहुँचने लायक और सुरक्षित है, किसी जल स्रोत के करीब है और यहाँ सूर्य की रौशनी पर्याप्त मात्रा में मिलती है।

2. समुदाय के सदस्यों को उद्यान का डिज़ाइन बनाने में शामिल करें (जैसेकि नेता, कारोबारी, शिक्षक, माता-पिता, बच्चे)। पौधे चुनते हुए ध्यान रखें कि मिट्टी किस तरह की है और साल में किस समय लगा रहे हैं या फिर यह बच्चों की मनपसंद कहानी की किताब या किसी रेसीपी पर आधारित हो। यदि आवश्यक हो किसी अनुभवी माली से सलाह लें।

3. बीज, पौधे, सामान और उपकरण ख़रीदने के बाद, ज़मीन तैयार करने और बगीचे में पौधे लगाने के लिए एक दिन चुनना। पूरे समुदाय को शामिल करना। बड़े-बुज़ुर्गों और छोटे बच्चों को मिलकर काम करने हेतु प्रेरित करके एक से दूसरी पीढ़ी को बाग़वानी संबंधी ज्ञान बांटने का अवसर देना।

4. बगीचे के रखरखाव की योजना बनाएं, पौधों में पानी डालने, घास-फूस हटाने, साफ़-सफ़ाई और संरक्षण देने का कार्यक्रम बनाएं। पूरे समुदाय को भी शामिल करना।

5. समुदाय के सदस्यों को बगीचे को भोजन के स्रोत के तौर पर उपयोग करने के लिए प्रेरित करें। कटाई और उपज साझा करने के एक दिन चुनें।

2008 में तूफान ओमार के कारण हुई क्षति के प्रत्यक्ष परिणाम सामने आने से भोजन की कमी पैदा हुई और मूल्य-वृद्धि भी हुई थी, को ध्यान में रखते हुए खाद्य और कृषि संगठन (FAO) ने एंटीगुआ और बारबुडा में घर के पिछले ख़ाली हिस्से में घरेलू खेती करने की पहल का समर्थन किया था। कार्यक्रम की भारी लोकप्रियता को देखते हुए, सरकार ने आधिकारिक तौर पर 22 अप्रैल को नैशनल बैकयार्ड फ़ार्म डे (घर के पिछले ख़ाली हिस्से में घरेलू खेती करने संबंधी राष्ट्रीय दिवस) मनाने की घोषणा की थी और अब यह दिवस हर साल मनाया जाता है। बैकयार्ड फ़ार्म समुदायों की खाद्य सुरक्षा बढ़ाते हैं और साथ ही लोगों को एकजुट होने में मदद करते है।

शहरी जेंगा

यह गतिविधि सीमित स्थान वाले क्षेत्रों में शहरी बाग़वानी को बढ़ावा देती है। यह बगीचा, जेंगा खेल में खड़े ब्लॉकों के ढांचे की तरह टॉवर का रूप लेता है। खड़े दांव में बगीचे बनाने आसान हैं और उन्हें बनाए रखना भी व्यावहारिक है। इनके लिए लकड़ी के जंगले, पत्थर के खंभे या मज़बूत दीवारें बनाई जाती हैं और पौधों को व्यवस्थित किया जाता है, ताकि पौधे बाहर फैलने की बजाय ऊपर की ओर बढ़ें।

1. खड़े दांव के बगीचे (जैसे छत, ख़ाली या बहुत सी ख़ाली ज़मीन, घर के पिछले ख़ाली हिस्से, गली या घरों या भवनों से सटे कोई अन्य स्थान) बनाने के लिए भवन-मालिकों और स्थानीय अधिकारियों के साथ उपयुक्त स्थान की पहचान करने के लिए तालमेल करना। सुनिश्चित करना कि उस स्थान तक पहुंचा जा सकता हैऔर सुरक्षित है और पास में ही पानी का स्रोत है, पर्याप्त धूप पहुंचती है और खड़े दांव ढांचा बन सकता है।
2. जहां आप बगीचे का निर्माण करने की योजना बना रहे हैं, वहां के भवन-मालिकों और वहां रहने वाले निवासियों के साथ खड़े दांव बनने वाले बगीचे का डिज़ाइन और योजना बनाएं। सीधे ऊपर की ओर बढ़ने वाले पौधे चुनें। इस बात का ध्यान रखें कि पौधों को कितनी मिट्टी, पानी और धूप की ज़रूरत है। यदि आवश्यक हो किसी अनुभवी माली से सलाह लें।
3. बीज, पौधे, सामान और उपकरण खरीदने के बाद, खड़े दांव के ढांचे का निर्माण करने और बगीचे में पौधे लगाने के लिए एक दिन चुनना। इसमें समूचे भवन के निवासियों और यदि उपयुक्त हो, तो व्यापक समुदाय को शामिल करना।
4. बगीचे के रखरखाव की योजना बनाएं, पौधों में पानी डालने, घास-फूस हटाने, साफ़-सफ़ाई और संरक्षण देने का कार्यक्रम बनाएं। इसमें समूचे भवन के निवासियों और व्यापक समुदाय को भी ज़रूर शामिल करें।
5. खड़े दांव बनने वाले बगीचे को भोजन के स्रोत के तौर पर उपयोग करने वाले सभी लोगों को प्रेरित करना। कटाई और उपज साझा करने के एक दिन चुनें।

नैरोबी के किबेरा शहर की अनियमित बस्तियों में - जहां दूर दूर तक खाद्य असुरक्षा फैली हुई है और स्थान सीमित है - निवासियों ने शहरी बाग़वानी करने के लिए एक साधनसंपन्न: रीसाइकल की गई बोरियों या स्वाभाविक तरीके से सड़ने वाली सीमेंट की बोरियों का उपयोग करते हुए खड़े दांव के बगीचे बनाने का तरीका खोज लिया है। अपने परिवार का पेट भरने और अपनी आय बढ़ाने के लिए 1,000 से अधिक किसान छतों पर और तंग गलियों में सब्जियां उगाने के लिए इस तकनीक का उपयोग कर रहे हैं।

गार्डन हंट

गार्डन हंट एक खेल है, जिसमें पौधों की विशेषताओं और उसके मूल-स्थानों के विवरणों के आधार पर पौधों की पहचान करने के लिए एक शहरी बाग़ में घूमना-फिरना शामिल है। एक सरल सा खेल है, जो स्कूली बच्चों के साथ-साथ, स्कूल की पढ़ाई पूरी कर चुके युवाओं के लिए भी बनाया गया है। गार्डन हंट खेलते हुए युवा अपने खानपान की संस्कृति और हरियाली वाले स्थानों, विशेषकर शहरी बाग-बग़ीचों के महत्व को समझते और सीखते हैं।

1. प्रत्येक पौधे की विशेषताओं और मूल-स्थान के विवरण का संकेत देने वाले कार्ड बनाएं। संबंधित पौधे वाले बॉक्स में कार्ड डालें और पौधे के लेबल हटाएं। यदि आवश्यक हो किसी अनुभवी माली से सलाह लें।
2. यदि समूह बड़ा है, तो खिलाड़ियों की जोड़ी बनाएं या उनकी छोटी टीमें बनाएं। प्रत्येक खिलाड़ी, जोड़ी या टीम को पौधे के विवरणों सहित उत्तर-शीट दें और प्रत्येक विवरण के बिल्कुल सामने रिक्त स्थान छोड़ें, जहां खिलाड़ी संबंधित पौधों के नाम लिख सकते हैं।
3. खिलाड़ियों को बगीचे का चक्कर लगाने और उन्हें दिए गए संकेतों के आधार पर पौधों की पहचान करने के लिए कहना।
4. 15 मिनट के बाद खिलाड़ियों, जोड़ियों या टीमों को एक साथ इकट्ठा करना और उनके उत्तर देखना। जिसके सबसे अधिक सही उत्तर हों, वही विजेता है।
5. खिलाड़ियों से पूछना कि बाग़ को ऐसा ही बनाए रखने में मदद करने हेतु उन्होंने अपनी समझ-बूझ से कौन सी नई बातें सीखी हैं।

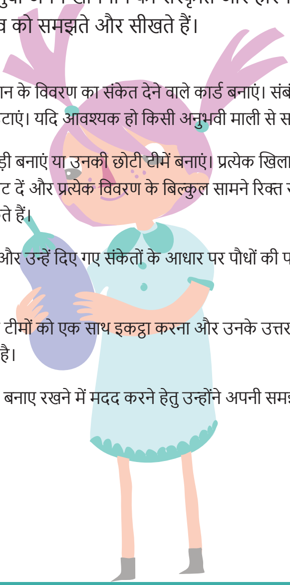

अमेरिका भर में समुदाय शहरी बाग़-बगीचों का बंदोबस्त करते हैं, जिनसे परिवारों के लिए ताज़ा उपज, घर के बने शिल्प और सुरक्षित सार्वजनिक-स्थल उपलब्ध होते हैं। इनमें डैट्रॉयट ब्लैक कम्युनिटी फ़ूड सिक्योरिटी नेटवर्क; मैसाच्युएट्स में होलीओक स्थित न्यूस्ट्रॉस रेसिस; न्यू यॉर्क, ब्रुकलिन में ईस्ट न्यू यॉर्क फ़ार्म्स शामिल हैं। बागवानी संबंधी जानकारी, कौशल और दृष्टिकोण साझा करने के लिए बड़े-बुजुर्ग और युवा वॉलंटियर इनसे जुड़े हुए हैं, इसके साथ ही सदस्यों को समुदाय के खानपान की संस्कृति के बारे में और अधिक पता लगाने का अवसर मिलता है।

लिंक बनाना

पर्यावरण संबंधी, सामाजिक और आर्थिक लाभों का उपयोग करते हुए, शहरी बाग़-बग़ीचे वॉलंटियर बनने और सहयोग करने को बढ़ावा देते हैं।

बाग़-बग़ीचे घर में और सतत विकास उद्देश्य 2 के अनुरूप स्कूलों में पौष्टिक भोजन की आपूर्ति बढ़ाकर खाद्य सुरक्षा को बेहतर बनाने का एक शानदार साधन हैं: "भूख मिटाना, खाद्य सुरक्षा और बेहतर पोषण हासिल करना और स्थायी कृषि को बढ़ावा देना"; और विशेषकर लक्ष्य 2.1 "2030 तक भूख मिटाना और विशेषकर यह सुनिश्चित करना कि ग़रीब और संवेदनशील स्थितियों में रहने वाले लोगों, इनमें छोटे बच्चे भी शामिल हैं, को वर्ष भर सुरक्षित, पौष्टिक और पर्याप्त भोजन मिले"।

शहरी बाग़-बग़ीचों के कारण लोग प्रकृति से प्यार करते हैं और सतत विकास लक्ष्य 13 के अनुरूप प्रकृति आधारित समाधानों को बढ़ावा देते हैं: "जलवायु परिवर्तन और इसके प्रभावों का मुकाबला करने के लिए तत्काल कार्रवाई करना"; और विशेषकर लक्ष्य 13.1 "सभी देशों में जलवायु संबंधी खतरों और प्राकृतिक आपदाओं के लिए लचीलापन और अनुकूल क्षमता मज़बूत करना"।

शहरी जल, सफ़ाई-प्रबंध और स्वच्छता

पानी, साफ-सफाई और स्वच्छता को सामूहिक रूप से WASH के रूप में जाना जाता है; तीनों विषय एक-दूसरे पर निर्भर हैं। पर्याप्त WASH सुविधाओं के बिना पानी से होने वाली बीमारियां (जैसे दस्त, हैज़ा और टायफ़ाइड) फैल सकती हैं, वैक्टर (कीड़े-मकौड़े, वायरस और बैक्टीरिया) से बीमारियां (जैसे मलेरिया, डेंगू बुखार और पीला बुखार) पनप सकती हैं और इसकी वजह से बुनियादी स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह नाकाम हो सकती हैं। जलवायु परिवर्तनशीलता बढ़ने से जल-और जीवाणु जनित रोग उभर रहे हैं, जिससे सार्वजनिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं खड़ी हो रही हैं। स्वच्छ जल, सुरक्षित साफ-सफाई और सुरक्षित स्वच्छता के व्यवहार की क्षमता तक लोगों की पहुँच को प्राथमिकता देना महत्वपूर्ण है।

विशेषकर शहरी क्षेत्रों में WASH को अक्सर ढांचागत सुविधाओं और प्रौद्योगिकियों का प्रावधान माना जाता है। हालांकि, उपयुक्त स्वच्छता के बारे में लोगों की जागरूकता बढ़ाने और उनके व्यवहार में बदलाव लाए बिना भी (जैसे वायरस, बैक्टीरिया, परजीवी और अन्य रोगजनक हाथ से शरीर में जा सकते हैं, इसलिए अच्छी तरह से हाथ धोना मुख्य सावधानी है) केवल WASH सुविधाओं का प्रावधान रुग्णता और मृत्यु-दर के अनुपात को कम नहीं कर सकता।

अनियमित बस्तियों के शहरी ग़रीब और वहाँ की आबादी, अक्सर अपर्याप्त या WASH सुविधाएं उपलब्ध न होने के कारण बीमारियों की चपेट में आ जाती हैं। इसलिए, इन क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देना बहुत ज़रूरी है।

घरेलू कचरा अलग करने संबंधी प्रतियोगिता

कचरे को इसके अपने स्रोत से अलग करना, एक सरल रीसाइक्लिंग-क्रिया है, लेकिन यह किसी ठोस-कचरे की प्रबंधन प्रणाली का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। कचरे को कम से कम दो श्रेणियों में बांटा जा सकता है - गीला कचरा (जैसे रसोई का कचरा) और सूखा कचरा (जैसे कागज, गत्ता और प्लास्टिक)। कचरे को अलग करने और बढ़िया तरीका साझा करने हेतु घरों को प्रेरित करने के लिए पुरस्कार देना एक प्रभावी तरीका हो सकता है।

1. स्थानीय सरकार, नागरिक-समाज संगठनों और निजी क्षेत्र में कचरा इकट्ठा करने वालों के बीच साझेदारी बनाना। घरों के कचरे/रीसाइक्लिंग के स्तर को अलग करने हेतु लक्ष्य तय करें।

2. आस-पड़ोस की किसी समिति और स्थानीय गैर-सरकारी संगठनों (NGOs) के साथ भी सहयोग करें। ये हिस्सेदार, रीसाइक्लिंग के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने, इसके प्रति लोगों के व्यवहार में बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं; और बाद में, उनके द्वारा किए जा रहे सकारात्मक अंतर को मान्यता देने हेतु पुरस्कार-विजेताओं की पहचान करना।

3. वह क्षेत्र तय करें, जहां सभी हिस्सेदारों के साथ परामर्श करके पहल की जाएगी। समस्या के बारे में परिवारों की जागरूकता बढ़ाने और रीसाइक्लिंग की बात आने पर उनके व्यवहार में बदलाव लाने संबंधी सामग्री तैयार करना।

4. कार्यक्रम शुरू करना और प्रत्येक 4-6 सप्ताह में घरों की प्रगति पर निगरानी रखना। कचरा एकत्र करते समय उसे अलग करने के आधार पर, उस घर की पहचान करना, जो रीसाइक्लिंग करने में बढ़िया है और इसलिए कचरा निपटान-स्थल पर मिश्रित कचरा कम मात्रा में पहुंच रहा है।

5. स्थानीय नेताओं और गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में पुरस्कार समारोह का आयोजन करें।

भारत में कोयंबटूर शहर के अधिकारी - ICLEI दक्षिण एशिया और स्थानीय गैर-सरकारी संगठनों के सहयोग से काम कर रहे हैं – शहर की वार्ड संख्या 23 में 100 प्रतिशत कचरे की रीसाइक्लिंग पूरी करने के लिए SUNYA (दक्षिण एशिया में बिल्कुल भी कचरा नहीं) परियोजना शुरू की है। कार्यक्रम अपना पूरा ध्यान स्रोत पर ही कचरे को अलग करने पर लगा रहा है। परिवारों को हिस्सा लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है और बढ़िया रिसाइक्लर्स को पुरस्कार दिए जाते हैं।

सफ़ाई-प्रबंध में लगे कर्मचारियों के प्रति व्यवहार संबंधी बदलाव

सार्वजनिक शौचालय, सीवरेज, सीवर और मेनहोल्स के रखरखाव के साथ ही ठोस-कचरे के प्रबंधन का निपटारा करने वाले सफ़ाई-प्रबंध के कर्मचारी। इन जोखिम भरे वातावरणों में काम करने से गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। निम्नलिखित कार्रवाई, सफ़ाई-प्रबंध से जुड़े कर्मचारियों को सुरक्षात्मक कपड़े पहनने और अपने हाथों को अच्छी तरह से और नियमित रूप से धोने/धोने के महत्व को पहचानने में मदद करने के लिए तैयार की गई है।

1. परियोजना तैयार करने के लिए स्थानीय गैर-सरकारी संगठनों, श्रमिक संघों और यूनियनों के साथ सहयोग करना। इन कार्रवाईयों में हाथ धोने और/या सुरक्षात्मक कपड़े और अन्य सुरक्षा उपकरण बांटने के महत्व के बारे में सफ़ाई-प्रबंध से जुड़े कर्मचारियों के बीच जागरूकता बढ़ाना शामिल हो सकता है।
2. सफ़ाई-प्रबंध से जुड़े कर्मचारियों की जानकारी और किट में कमियों की पहचान करने के लिए स्थिति-विश्लेषण कराएं। जागरूकता बढ़ाने और व्यवहार में आने वाले बदलाव की गतिविधियों हेतु एक समग्र उद्देश्य और अंतरिम लक्ष्य तय करना।
3. पहल को समर्थन देने, औपचारिकता और संभावित फंड के लिए सेवा प्रदाता लेने, यहां तक कि स्थानीय सरकार और राष्ट्रीय मंत्रालयों को शामिल करना।
4. पहल करें और अच्छी तरह और नियमित तौर पर हाथ धोने के महत्व को समझाने के लिए सफ़ाई-प्रबंध से जुड़े कर्मचारियों की पहली बैठक का प्रबंध करना और यदि ज़रूरी हो, तो उन्हें सुरक्षात्मक कपड़े और अन्य सुरक्षा उपकरण देना।
5. भविष्य की योजना, कार्यान्वयन और निगरानी के लिए स्थानीय सरकार को पहल करने देना।

बुर्किना फ़ासो के औगाडौगू में गड्ढे वाले शौचालय और सैप्टिक टैंक आमतौर पर हाथों से खाली किए जाते हैं। स्थानीय सरकार, गैर-सरकारी संगठनों और सेवा प्रदाता के साथ साझेदारी में मैनुअल एम्पटियर एसोसिएशन (ABASE) ने सफ़ाई-प्रबंध से जुड़े कर्मचारियों के स्वास्थ्य में सुधार लाने और जागरूकता बढ़ाने संबंधी कार्यक्रम के माध्यम से भलाई करने की पहल शुरू की। ABASE ने सफ़ाई-प्रबंध से जुड़े कर्मचारियों का टीकाकरण भी किया और उन्हें नवीनतम सुरक्षात्मक कपड़े और अन्य सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराए।

स्कूलों में हाथ धोने संबंधी कार्यशालाएं

हाथ से शरीर में वायरस, बैक्टीरिया, परजीवी, अन्य रोगजनक पहुंच सकते हैं, जिससे हैज़ा, पेचिश, हैपेटाइटिस A, कोविड-19 और टायफाइड जैसे रोग हो सकते हैं। पहला बचाव, साबुन और पानी का उपयोग करते हुए अच्छी तरह से और नियमित रूप से हाथ धोना है। अच्छी स्वच्छता के महत्व के बारे में केवल स्कूली बच्चों को सिखाना ही महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि वे ऐसे महत्वपूर्ण दूत हैं, जो सीखी गई बातों को घर में अपने माता-पिता तक भी पहुंचाते हैं।

1. उस स्कूल की पहचान करना, जहां कार्यशाला होगी। स्थानीय शिक्षा प्राधिकरण, स्कूल और हैडटीचर से अनुमति लेना। एक साथ मिलकर कार्यशालाओं के कार्यक्रम पर सहमति बनाना।
2. तय करना कि कार्यशालाओं में कौन से संदेश दिए जाएं, जैसे साबुन और पानी से हाथ कैसे और कब धोएं और वे तरीके, जिनसे स्कूली बच्चे घर में अपने माता-पिता को शामिल कर सकते हैं। शैक्षिक पोस्टर बनाना और उन्हें स्कूल के वॉशबेसिनों और अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर लगाना।
3. पहली कार्यशाला का प्रबंध करना; बच्चों के लिए प्रस्तुति और किसी भी गतिविधियों की योजना बनाना।
4. भविष्य की कार्यशालाओं में मदद करने हेतु कम से कम दो शिक्षकों को प्रशिक्षित करना। उन्हें हाथ धोने के तरीके दिखाना और इन महत्वपूर्ण संदेशों को बच्चों के माध्यम से उनके माता-पिता तक कैसे पहुंचाना है, के बारे में बताना। शिक्षकों को कार्यशाला का प्रबंध करने और उसे पूरा करने की जिम्मेदारी सौंपना।
5. इसमें साबुन के ब्रांड्स, जल-वितरण कंपनियों, स्थानीय अधिकारियों और मीडिया को शामिल करने के बारे में सोच-विचार करना। यह तरीका अन्य स्कूलों में कराए जाने वाली कार्यशाला में फिर से दोहराने में मदद कर सकता है, ताकि यह एक सतत प्रक्रिया बन जाए।

कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओ PDR और फिलीपींस में GIZ द्वारा तैयार किए गए फ़िट फ़ॉर स्कूल कार्यक्रम का उद्देश्य स्कूलों में अच्छी स्वच्छता को बढ़ावा देना है। साबुन और पानी से नियमित रूप से हाथ धोना कार्यक्रम का महत्वपूर्ण हिस्सा है और इसके आयोजकों द्वारा हाल ही में किए गए एक सर्वेक्षण से पता चला है कि शौचालय जाने के बाद 28 प्रतिशत स्कूली बच्चे अपने हाथ धोते हैं, जबकि इसके मुकाबले अन्य स्कूलों में सिर्फ 3 प्रतिशत बच्चे अपने हाथ धोते हैं। हाल ही में इस पहल को स्कूलों में चलाए जाने वाले WASH कार्यक्रमों में अनिवार्य कर दिया गया है।

छत पर वर्षा-जल संचयन प्रणाली

जारी शहरीकरण और जलवायु परिवर्तन के संयुक्त प्रभावों के चलते शहरों में जल संकट की समस्या पैदा हो रही है। वर्षा-जल संचयन प्रणाली तैयार करने से मौजूदा जल संसाधन की पूर्ति हो सकती है, क्योंकि निवासी सफाई, धुलाई और बाग़वानी (लेकिन पीने के लिए नहीं) के लिए वर्षा-जल का उपयोग कर सकते हैं। समुदाय के भीतर साझा स्थान खोजने, जैसे वर्षा-जल संचयन प्रणाली के लिए छत से स्वामित्व और रखरखाव को प्रोत्साहित करने और सामुदायिक लगाव बढ़ाने में मदद मिलेगी।

1. स्थानीय प्राधिकरण के साथ साझेदारी करना; यह कैसे काम करता है, के बारे में जानने के लिए मौजूदा वर्षा-जल संचयन प्रणाली का दौरा करने का प्रबंध करना।
2. पानी की संभावित मात्रा की गणना करें, जिसे नीचे दिए गए फ़ार्मूले का उपयोग करते हुए विभिन्न जलग्रहण स्थलों पर एकत्र किया जा सकता है: एकत्र किए गए पानी की कुल मात्रा = क्षेत्र X अतिरिक्त गुणांक X वर्षा। अतिरिक्त गुणांक कारक जलग्रहण सतह पर निर्भर करता है (उदाहरण के लिए छतों के लिए यह 0.75–0.95 है)।
3. जलग्रहण स्थल चुनें, जहां वर्षा का पानी एकत्र किया जाएगा। स्कूल, सरकारी-भवन और पूजा-स्थल सामुदायिक स्थान हो सकते हैं। उपयुक्त स्थान खोजने में समुदाय के सदस्यों को शामिल करना।
4. प्रणाली के डिज़ाइन पर समुदाय के सदस्यों से सलाह करना; उदाहरण के लिए, साइट के औचित्य को ध्यान में रखते हुए भूमिगत भंडारण टैंक या पानी हेतु पूर्वनिर्मित स्टील टैंक होना चाहिए या नहीं। सामान्य सिद्धांत के तौर पर, उपलब्ध वार्षिक वर्षा का 5 प्रतिशत, भंडारण टैंक के आकार की गणना के लिए एक अच्छा स्रोत है।
5. स्थानीय तकनीकों और सामग्रियों का उपयोग करते हुए वर्षा-जल संचयन प्रणाली का निर्माण करना। घटकों के साधन और संयोजन में समुदाय के उचित कौशल वाले सदस्यों को शामिल करके लागत को न्यूनतम रखना।
6. सहमति जताना और समुदाय के सदस्यों को संचालन और रखरखाव संबंधी कार्य सौंपना।

श्रीलंका सरकार और संयुक्त राष्ट्र विकास परियोजना (UNDP) के साथ मिलकर काम करते हुए, श्रीलंका रैड क्रॉस सोसायटी जलवायु संबंधी लचकीली एकीकृत जल प्रबंधन परियोजना (CRIWMP) लागू कर रही है। इसमें बदलती जलवायु के अंतर्गत जल-सुरक्षा बढ़ाने हेतु देश के शुष्क क्षेत्रों में वर्षा-जल संचयन प्रणालियां स्थापित करना शामिल है। राष्ट्रीय सोसाइटी की पहली महत्वपूर्ण कार्रवाई, प्रणालियां अपनाने हेतु समुदायों को जुटाना था; और अब तक इस परियोजना से कुरुनेग्ला शहर में 542 परिवार लाभान्वित हुए हैं।

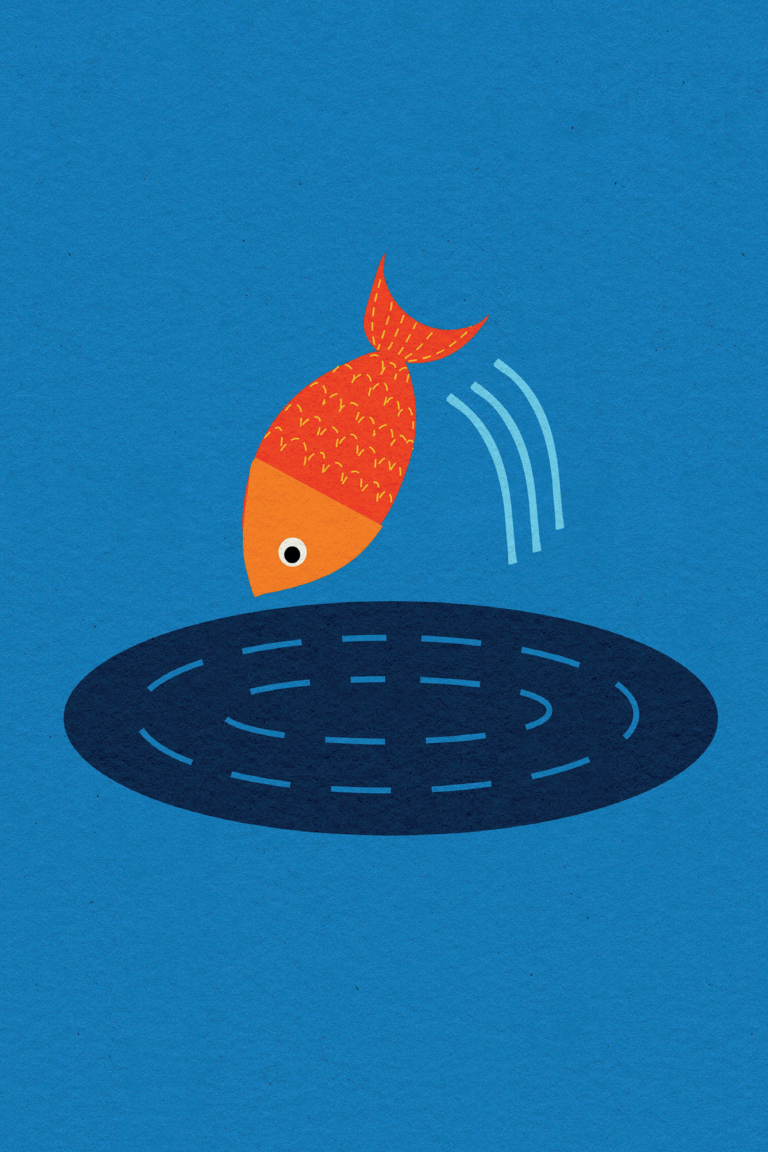

लिंक बनाना

WASH लोगों के स्वास्थ्य और भलाई का केंद्र है। WASH संबंधित गतिविधियाँ शहरों के जलवायु संबंधी लचीलेपन की दिशा में भी योगदान करती हैं।

इस मॉड्यूल की गतिविधियाँ विभिन्न वैश्विक सिद्धांतों और प्रक्रियाओं से जुड़ी हुई हैं। उदाहरण के लिए, यह तरीका स्रोत वाले स्थान पर कचरे की रीसाइक्लिंग को बढ़ावा देता है और शहरों की सर्कुलर अर्थव्यवस्थाओं में योगदान देता है, जो 3R सिद्धांतों - घटाना, फिर इस्तेमाल करना और रीसाइकल करना के माध्यम से संसाधनों का अधिकतम उपयोग करना चाहती हैं।

शहरी सफ़ाई-प्रबंध से जुड़े कर्मचारियों के स्वास्थ्य, सुरक्षा और स्वच्छता संबंधी कार्रवाई, व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा के संदर्भ में उनके मूल अधिकारों को सुनिश्चित करती है। साबुन और पानी के साथ अच्छी तरह से और नियमित तौर पर हाथ धोना एक सरल काम है, प्रत्येक व्यक्ति स्वयं को बैक्टीरिया और वायरल संक्रमण, जैसे कोविड-19 से बचाने के लिए यह सरल काम कर सकता है। और वर्षा-जल संचयन एकीकृत और विकेंद्रीकृत जल संसाधन प्रबंधन के घटक के तौर पर मौजूदा जल संसाधनों का पूरक बन सकता है।

WASH के अंतर्गत आने वाली कार्रवाईयां भी निम्नलिखित सतत विकास लक्ष्यों में सीधे योगदान देती हैं: SDG 11 स्थायी शहरों और समुदायों; SDG 6 साफ पानी और सफ़ाई-प्रबंध; SDG 13 जलवायु संबंधी कार्रवाई; SDG 3 बढ़िया स्वास्थ्य और कल्याण; SDG 12 जिम्मेदार खपत और उत्पादन; SDG 1 हर जगह अपने सभी तरीकों से गरीबी को समाप्त करता है; और SDG 8 सभ्य काम और आर्थिक वृद्धि।

प्रकृति आधारित समाधान

प्रकृति-आधारित समाधान (NbS) ऐसी कार्रवाईयां हैं, जो सामाजिक चुनौतियों को हल करने में मदद हेतु प्रकृति के साथ काम करती हैं और इन कार्रवाईयों को आगे बढ़ाती हैं। वे स्वाभाविक रूप से पारिस्थितिकी तंत्र या डिज़ाइन किए गए और तैयार किए गए स्थान हो सकते हैं, जो मानव कल्याण का समर्थन करते हुए प्राकृतिक प्रक्रियाओं का उपयोग करते हैं। वे आर्द्रभूमि और जंगलों (पारिस्थितिक तंत्र) से लेकर तैयार किए गए रेन वॉटर गार्डन और नीले और हरे रंग की छत या दीवारें तक हो सकती हैं।

किसी भी स्थान का बढ़िया उपयोग करने हेतु कई सेवाएं और लाभ देने का लक्ष्य रखना चाहिए - विशेषकर जब किसी शहर में उपलब्ध सीमित स्थानों की बात आती है। NbS इसे विभिन्न तरीकों, उदाहरण के लिए, बाढ़ और सूखे से बचाकर; शहरी गर्मी के क्षेत्र के प्रभाव को कम करके; हवा की गुणवत्ता में सुधार करके; और स्वास्थ्य देखभाल खर्च को कम करके हासिल करते हैं। इसके साथ ही, वे शहर की सुंदरता बढ़ाते हैं; सामाजिक तालमेल में सुधार करते हैं; और सार्वजनिक पार्कों में पैदल चलने और साइकिल चलाने जैसे शून्य-कार्बन आवागमन को बढ़ावा देते है। यहां तक कि NbS आसपास की संपत्तियों का मूल्य और संबंधित (स्थानीय) सरकारी टैक्स से होने वाली आय भी बढ़ा सकते हैं।

शहर भर से लेकर सड़क और पारिवारिक स्तर तक, NbS लोगों और प्रकृति के लिए सुरक्षित, स्वास्थ्यवर्धक और रहने के लिए सुखद स्थितियां तैयार करते हैं।

ऑप्रेशन स्टोनब्रेकर

ऑप्रेशन स्टोनब्रेकर एक अभियान है, जिसका प्रबंध आप अपने शहर या पड़ोस में कर सकते हैं। ये फ़ुटपाथ के पत्थर की अनावश्यक स्लैब, कंक्रीट टाइल या डामर की सतहों को बदलने और हरी-भरी वनस्पति और पेड़ों के बीच की ख़ाली जगहों में पेड़ लगाने पर ध्यान केन्द्रित करते हैं। इससे थोड़ी सी जैव-विविधता, छाया, (औषधीय) जड़ी-बूटियों या छोटी-फसलों के लिए जगह बढ़ाने का काम करते हुए वर्षा और पिघलने वाली बर्फ के अतिरिक्त बहाव, अत्यधिक गर्मी और वायु प्रदूषण कम करने में मदद मिल सकती हैं।

1. विजेताओं को ढूंढने के लिए - विशेषकर युवाओं द्वारा - ऑप्रेशन में भाग लेने के लिए स्कूलों में और व्यापक समुदाय के लिए सोशल मीडिया अभियान शुरू करना।

2. फ़र्श के स्लैब, कंक्रीट टाइल या डामर की सतहों को निकालने और उस स्थान पर देशी और फलों के पेड़, फूल और जड़ी-बूटियां लगाने से पहले बगीचे में स्थान का पता लगाना और आवश्यक अनुमतियां प्राप्त करना। सोशल मीडिया पर प्रचार करना। आवश्यक सुरक्षा सावधानियों पर ध्यान देना और कचरे की सामग्रियों का उचित निपटारा करना।

3. अपने घरों के आसपास 'पत्थर तोड़ने' में स्थानीय परिवारों का समर्थन करके अभियान मज़बूत बनाना। स्कूलों और सार्वजनिक भवनों को उनके पार्किंग स्थलों या खेल के मैदानों में 'पेड़' लगाने के लिए प्रोत्साहित करना। इस बदलाव के लिए सामुदायिक स्थानों और गलियों की पहचान करने के लिए स्थानीय सरकार को भी शामिल करना।

4. कार्यक्रमों और प्रायोजन द्वारा व्यापक कार्रवाई करने के लिए प्रेरित करना। उदाहरण के लिए, कंपनी को स्थानीय स्कूलों को पौधे उपलब्ध कराने के लिए कहना; या पहले 100 मीटर के लिए हटाए गए फ़र्श वाले स्लैब, कंक्रीट की टाइलें या डामर या लगाए गए पेड़ों का जश्न मनाना।

5. इस अभियान के परिणामस्वरूप गर्मी और अतिरिक्त वर्षा-जल घटाने के साथ ही जैवविविधता और वायु की गुणवत्ता में सुधार लाने संबंधी दस्तावेज़ तैयार करने के लिए विश्वविद्यालयों के साथ काम करना। उन स्थानों पर जाने के लिए अग्रणी हस्तियों को आमंत्रित करना।

नीदरलैंड्स में 'हरे-भरे' शहरी स्थानों हेतु अभियान का नाम ऑप्रेटी स्टीनब्रीक (Operatie Steenbreek) है। इसमें 150 से अधिक भागीदार शामिल हैं, इनमें प्रांत, नगर-पालिकाएं, जल बोर्ड, आवासीय निगम, गैर-सरकारी संगठन और कंपनियां भी शामिल हैं। इस अभियान में स्थानीय निवासियों और व्यवसायों की सहायता से निजी और सार्वजनिक स्थानों पर अनावश्यक फुटपाथों के स्थान पर हरियाली वाले विविध पेड़ लगाने का काम किया जाता है। इससे शहरों को जलवायु परिवर्तन के अनुकूल बनाने, अत्यधिक गर्मी कम करने, जैवविविधता में सुधार लाने और शहरवासियों की और भलाई करने में मदद होती है। अधिक जानकारी के लिये: www.steenbreek.nl पर जाएं।

पेड़ों के संरक्षण हेतु लोगों को एकजुट करना

शहर पर सकारात्मक प्रभाव डालने के लिए प्रकृति को बचाने हेतु समुदायों को एकजुट करना एक बेहतरीन तरीका है। गतिविधियों में पार्क या झीलों के आसपास फैला कचरा साफ़ करना; पेड़ लगाना; रुके हुए पानी के रास्तों को फिर से खोलना; या विकास में खतरे के अंतर्गत शहर की प्रकृति की सुरक्षा की मांग के लिए प्रदर्शन करना शामिल है।

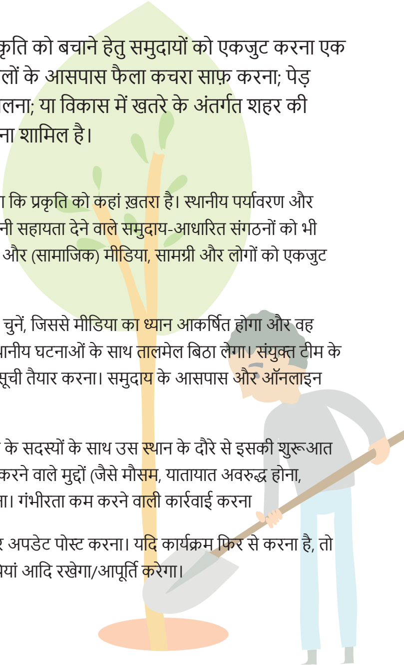

1. समुदाय के प्रतिनिधियों से मिलकर यह पता लगाना कि प्रकृति को कहां ख़तरा है। स्थानीय पर्यावरण और सामाजिक विकास वाली NGOS के साथ ही, अपनी सहायता देने वाले समुदाय-आधारित संगठनों को भी शामिल करना। एक साझा उद्देश्य से सहमत होना और (सामाजिक) मीडिया, सामग्री और लोगों को एकजुट करने का काम समन्वयक को सौंपना।

2. जब हिस्सा लेने वाले तैयार हों, तो एक विशेष तिथि चुनें, जिससे मीडिया का ध्यान आकर्षित होगा और वह इसको कवर करने के लिए बड़े पैमाने पर अन्य स्थानीय घटनाओं के साथ तालमेल बिठा लेगा। संयुक्त टीम के साथ आवश्यक योगदानों और बांटे गए कार्यों की सूची तैयार करना। समुदाय के आसपास और ऑनलाइन पर्चे बांटना।

3. गतिविधि वाले दिन की योजना बनाना, संयुक्त टीम के सदस्यों के साथ उस स्थान के दौरे से इसकी शुरूआत करना। उनकी मदद से संभव घटना को प्रभावित करने वाले मुद्दों (जैसे मौसम, यातायात अवरुद्ध होना, परिवहन की हड़ताल) के बारे में सोच-विचार करना। गंभीरता कम करने वाली कार्रवाई करना

4. कार्रवाई कार्यान्वित करना और सोशल मीडिया पर अपडेट पोस्ट करना। यदि कार्यक्रम फिर से करना है, तो सहमति देना कि कौन अगुआई करेगा और सामग्रियां आदि रखेगा/आपूर्ति करेगा।

पनामा के पनामा शहर में वैटलैंड्स इंटरनैशनल - एक वैश्विक संगठन है, जो लोगों और जैवविविधता के लिए गीली ज़मीन और उनके संसाधनों को बनाए रखने और बहाल करने के लिए काम करता है - जुआन दियाज़ के आसपास वैटलैंड्स में सफाई अभियान की एक श्रृंखला का प्रबंध किया गया था, जो समुदाय की समितियों के साथ मिलकर काम कर रहा है। इस तरह एसोसिएशन ने स्थानीय समुदाय को एकत्र किया और स्थान का चयन किया और दूसरी तरफ़ वैटलैंड्स इंटरनैशनल ने उपकरण उपलब्ध कराए और व्यापक समर्थन जुटाया। उन्होंने एक साथ मिलकर, पनामा खाड़ी के उस तट पर बाढ़ से प्रभावित रहने वाले पड़ोस में बहुत अधिक बढ़े हुए पेड़ों की कटाई की और नाले साफ़ किए। उसके बाद उपकरण समुदाय को दान कर दिए गए, ताकि भविष्य में वह यह काम स्वयं कर सके।

रेन वाटर गार्डन (वर्षाजल के बाग़-बग़ीचे)

रेन वाटर गार्डन में वर्षा-जल का बह रहा पानी को इकट्ठा होता है, ज़मीन में समा जाता है और साथ ही छन भी जाता है और इसके बाद इन्हें घरों या व्यावसायिक/औद्योगिक इकाइयों में स्थापित किया जा सकता है। रेन वाटर गार्डन बाढ़ और सूखे की रोकथाम में मदद करते हैं, क्योंकि वे शहरी जल निकासी प्रणाली पर दबाव नहीं बनाते और ज़मीन में भी पानी का स्तर बढ़ाते हैं। वे जैव-विविधता के लिए एक छोटे स्थान के रूप में भी काम कर सकते हैं और विकसित पर्यावरण की ख़ूबसूरती बढ़ा सकते हैं।

1. रेन वाटर गार्डन का ख़ाका संपत्ति के सबसे निचले हिस्से पर बनाया जाना चाहिए; भवन की नींव से कम से कम 2.5 मीटर दूर; और सभी सार्वजनिक उपयोगिता लाइनों (पानी, बिजली, गैस आदि) का ध्यान रखें। प्राकृतिक दिखने के लिए रेन वाटर गार्डन आमतौर पर गोल या घुमावदार होते हैं और इनका माप कम से कम 2–3 मीटर2 होता है। आदर्श रूप से, एक रेन वाटर गार्डन में कुल क्षेत्र का 20 प्रतिशत हिस्सा आता है, जिसमें सारा पानी समा जाएगा।

2. फ़र्श की कोई भी स्लैब, कंक्रीट टाइल या डामर की सतह और घास-फूस हटाना। फिर रेन वाटर गार्डन के खाके के हिसाब से मिट्टी में 15-30 सेमी. का गड्ढा खोदना। खोदी गई मिट्टी का ढेर लगाना, यह सुनिश्चित करना कि यह गड्ढा ढलवां और इसके किनारें गोल हों।

3. छत वाले पाइप को इस गड्ढे तक लाना, सुनिश्चित करना कि वर्षा के बहुत अधिक बहाव के लिए वहां पर मुख्य नाले तक राह हो। पानी ज़मीन में छन कर जाने हेतु रेन वाटर गार्डन की ऊपरी सतह के रूप में कंकड़, पत्थर या बजरी का उपयोग करना।

4. रेन वाटर गार्डन में देशी बारहमासी पौधे, फूल और झाड़ियाँ लगाना। ऐसी प्रजातियां चुनना, जो परागणकों (मधुमक्खियां, तितलियां) और मच्छरों का शिकार करने वाली (ड्रैगनफ़्लाइज़) को आकर्षित करती हैं। अपने रेन वाटर गार्डन में उपयोग करने के लिए पौधों की उपयुक्त किस्म के बारे में विशेषज्ञ से सलाह लेना। पूरी तरह विकसित पौधों के आकार के साथ ही उनके स्थान के बारे में विचार करना।

5. बार-बार घास-फूस या अवरोधक हटाकर रेन वाटर गार्डन का रास्ता साफ़ रखना।

सिंगापुर का सक्रिय, सुंदर, स्वच्छ जल संबंधी कार्यक्रम (Singapore’s Active, Beautiful, Clean Waters Programme) स्कूल परिसरों में रेन वाटर गार्डन तैयार करने के लिए स्कूलों के साथ मिलकर काम करता है। बाग़-बग़ीचे, वर्षा या पिघलती हुई बर्फ़ के बहुत अधिक पानी के बहाव को कम करते हैं और पानी की गुणवत्ता बढ़ाते हैं, तब तक जैव-विविधता में वृद्धि होती है और पर्यावरण संबंधी तथा जल-शिक्षा हेतु बाहरी कक्षाओं के लिए स्कूली बच्चे यहां आते हैं।

नेबरहुड वाडीज़

वाडी एक मौसमी गीली-ज़मीन है, जो मानसून या वर्षा ऋतु के दौरान वर्षा के पानी से भर जाती है। वाडियां मूल रूप से गावों में होती हैं (ये मूल रूप से अफ़्रीका और अरब के रेगिस्तानों में थीं), अब जाकर उन्हें शहरों में प्रकृति के समाधान के तौर पर अपनाया गया है, ताकि अत्यधिक वर्षा के पानी को शहरी जल-निकासी प्रणाली में आने से रोकने और इसे भरने से रोका जा सके। छोटे पैमाने के ये पारिस्थितिकी तंत्र मनोरंजक सुविधाओं के काम भी आते हैं और शहरी कृषि में मदद करते हैं।

1. अपने पड़ोस में बार-बार जलभराव की समस्या से जूझ रही जगह चुनना। भूखंड किसके पास है और स्थानीय नियोजन नियमों के बारे में भी पता लगाना। यह भी पता लगाना की आपकी परियोजना के लिए स्थानीय सरकारी धन मिल सकता है या नहीं।
2. समुदाय के उन सदस्यों की पहचान करना, जिन्हें डिज़ाइन करने, जैवविविधता और मनोरंजन के क्षेत्रों का अनुभव है। कौशल संबंधी किसी भी ज़रूरत के समय सरकारी एजेंसियां या कंपनी मुफ़्त में मदद कर सकती है। वाड़ी के आकार, रूप और जल क्षमता का निर्णय करने के लिए नगर-निगम के योजनाकारों को शामिल करना। वाडी में रास्ते, बैंच, कूड़ेदान और खेल के मैदान में काम आने वाले सामान जैसे प्रबंध करने का ध्यान रखते हुए, इसकी तैयारी करना।
3. वाडी बनाने के लिए फुटपाथ और मिट्टी खोदने के लिए समुदाय के लोगों की मदद लेना। खेल का मैदान ऊंचा उठाने के लिए खोदी गई मिट्टी का उपयोग करना। सुनिश्चित बनाएं कि मुख्य नाले में वर्षा-जल के बहुत अधिक बहाव के लिए निकास हो। पानी की गति कम करने और पौधों को बहने से रोकने के लिए पानी के प्रवेश और निकास स्थान पर बड़े-बड़े पत्थर रखना।
4. वाडी के चारों ओर विभिन्न प्रकार के स्थानीय जल प्रतिरोधी और मज़बूत जड़ वाली प्रजातियों के पौधे लगाना। अन्य सुविधाओं (जैसे रास्ते, बैंच, कूड़ेदान, खेल के मैदान के उपकरण, सौर ऊर्जा से जलने वाली सड़क की लाइटें और एक बोर्ड या प्लेग संबंधी इलाज और रोग-निदान के प्रायोजक) का प्रबंध भी करना।
5. सामुदायिक नेताओं और स्थानीय मीडिया को आमंत्रित करते हुए उद्घाटन समारोह का आयोजन करना। सहमति बनाना कि वाडी के रख-रखाव के लिए कौन सा समूह या संगठन जिम्मेदारी लेगा।

एम्स्टर्डम रेनप्रूफ (Amsterdam Rainproof) का लक्ष्य एक ऐसा शहर बनाना है, जिसे अत्यधिक वर्षा होने पर भी कोई चिंता न हो। परियोजना ने हाल ही में स्टैडसट्रू ओवरटूम (Stadstuin Overtoom) में एक नया पड़ोस तैयार करने के हिस्से के रूप में वाडियों का निर्माण किया था, जल क्षमता, अधिक पानी की रोकथाम और गुणवत्ता में सुधार के साथ-साथ जैवविविधता; के कारण वाडी से कई अच्छे काम लिए गए है।

BUS

नीले और हरे गलियारे

नीले और हरे रंग के गलियारे विभिन्न प्रकृति-आधारित समाधानों को इकट्ठा करते हैं, जैसे बायोस्वेल्स (वनस्पति जल निकासी प्रणाली), धाराएं, पार्क, पंक्तिबद्ध पेड़ों वाली सड़कें और रेन वॉटर गार्डन और इसके साथ ही नीले और हरे रंग की दीवारें, छत और फुटपाथ। एक साथ मिलकर, इन उपायों से एक नेटवर्क तैयार होता है, जिसके कारण अतिरिक्त पानी बह सकता है, जैवविविधता फल-फूल सकती है और लोग आराम कर सकते हैं, सैर कर सकते हैं या साइकिल चला सकते हैं। इन नेटवर्कों में शहर की जीवंतता के साथ ही इसकी जलवायु में लचीलापन बढ़ते हुए दिखाया गया है।

1. मौजूदा प्रकृति-आधारित समाधानों जैसे कि पार्क, शहरी गीली- ज़मीन, छतों पर पौधे लगाने और पंक्तिबद्ध पेड़ों वाली सड़कों की स्थिति का मूल्यांकन करना। उनके बारे में मानचित्र पर निशान लगाने और जैसे बाढ़, शहर में गर्मी और जैवविविधता वाले क्षेत्रों जैसे महत्वपूर्ण संदर्भ शामिल करना।
2. खोए हुए संपर्कों, जिनसे अतिरिक्त पानी के बहाव, जैवविविधता फलने-फूलने और लोगों को आराम करने, सैर करने या साइकल चलाने में मदद मिलेगी, की पहचान करने के लिए नक्शे का विश्लेषण करना। सम्पर्क बनाने के लिए अपेक्षित उपायों को मूर्त रूप देने के लिए मुख्य भागीदारों के साथ इन स्थानों पर जाना।
3. अच्छी तरह से जुड़ा हुआ नेटवर्क तैयार करना। फिर इसके बाद प्रत्येक प्रकृति-आधारित समाधान के लिए व्यक्ति का योगदान तय करना और लाभों का ख़ाका बनाना। परियोजनाओं को प्राथमिकता देना और आवश्यक अनुमतियां लेना।
4. कम लागत वाले उपायों से शुरू करना, जो फ़ौरन सम्पर्क बनाते हैं और लागू करने आसान होते हैं, उदाहरण के लिए, लटकने वाले पौधों के साथ दीवारों को ढंकना; बस स्टॉप पर हरी छत लगाना।
5. स्थानीय निवासियों को शामिल करना और अधिक महत्वाकांक्षी परियोजनाएं संभालने के लिए प्रोत्साहित करना। प्रत्येक स्थान पर सूचना-बोर्ड या पट्टिका स्थापित करने पर विचार करना, जिसकी मदद से आगंतुक गलियारे की पहल के बारे में अधिक जानकारी ले सकते हैं।

मैडलिन ग्रीन कॉरिडोर परियोजना (The Medellín Green Corridors Project) में नदियों, पहाड़ियों, पार्कों और सड़कों के चौराहों वाले 12 स्थानों को जोड़ने के लिए पेड़ और झाड़ियां (ताड़ के पेड़ शामिल हैं) लगाई गई थीं। इस पहल ने कोलंबिया के दूसरे सबसे बड़े शहर में छोटे-छोटे कणों पर काबू पाकर शहरी गर्मी के हिस्से के असर को कम करने और हवा की गुणवत्ता में सुधार लाकर स्थानीय तापमान में 2 डिग्री सेल्सियस की कमी लाने में मदद की है।

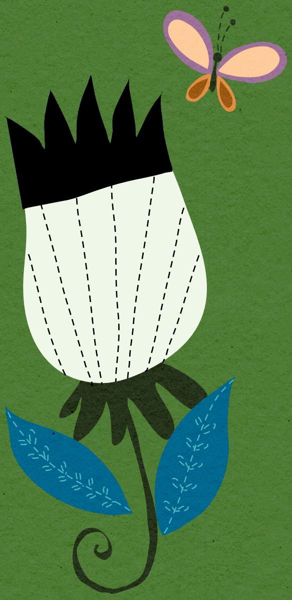

वैश्विक प्रक्रियाओं के लिंक

प्रकृति-आधारित समाधान शहरों को आवश्यकता अनुसार बदलने और जलवायु परिवर्तन के हिसाब से बेहतर बनाने का प्रभावी तरीका है। इन लाभों में जल सुरक्षा (बाढ़ की रोकथाम) और सुरक्षा (आपूर्ति), खाद्य सुरक्षा और हीटवेव्स के दौरान शहर को ठंडा रखकर स्वास्थ्य में सुधार करना, हवा की गुणवत्ता में सुधार करना और मनोरंजन के लिए स्थान निर्धारित करना शामिल है।

ये कार्रवाईयां प्रत्यक्ष रूप से सतत विकास लक्ष्य (SDG) 11 से जुड़ती हैं, इनमें शामिल है: "शहरों और बस्तियों को समावेशी, सुरक्षित, लचीला और टिकाऊ बनाना"; और विशेषकर लक्ष्य 11.7 में योगदान करना: "विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों, बड़े-बुज़ुर्गों और दिव्यांगों के लिए सुरक्षित, समावेशी और उपलब्ध, हरियाली और सार्वजनिक-स्थलों पर व्यापक पहुँच प्रदान करना।" वे SDG 13 में भी योगदान करते हैं: "जलवायु परिवर्तन और इसके प्रभावों का मुकाबला करने के लिए तत्काल कार्रवाई करना" और विशेषकर लक्ष्य 13.1: "सभी देशों में जलवायु संबंधी ख़तरों और प्राकृतिक आपदाओं के लिए लचीली और अनुकूल क्षमता मज़बूत करना"। इसके अलावा, वे SDG 15 में योगदान करते हैं, विशेषकर लक्ष्य 15.9 के लिए: "राष्ट्रीय और स्थानीय योजना में पारिस्थितिकी तंत्र और जैवविविधता मूल्यों को एकीकृत करना..."।

इसके अतिरिक्त, ये कार्रवाईयां 2015 के पैरिस समझौते और संबद्ध राष्ट्रीय तौर पर दृढ़ संकल्प योगदान, जैवविविधता संबंधी एल्ची लक्ष्य सम्मेलन, रामसर सम्मेलन और आपदा जोखिम घटाने के लिए सैंदाई फ़्रेमवर्क में योगदान करती हैं।

स्थानीय सरकार और राष्ट्रीय मंत्रालय, स्थानीय और राष्ट्रीय बजट से प्रकृति आधारित समाधानों हेतु फ़ंड देने में सक्षम हो सकते हैं। वैकल्पिक तौर पर (अंतर्राष्ट्रीय) गैर सरकारी संगठन, गैर-संस्थागत दानियों का पता लगाने में सहायता कर सकते हैं। राष्ट्रीय मंत्रालयों से लेकर संयुक्त राष्ट्र प्रणाली (उदाहरण के लिए UNEP या UNDP) और विश्व बैंक या क्षेत्रीय विकास बैंकों जैसे संबंधित वित्तीय संस्थानों के ज़रिए बड़े परियोजना प्रस्ताव पहुंचाए जा सकते हैं।

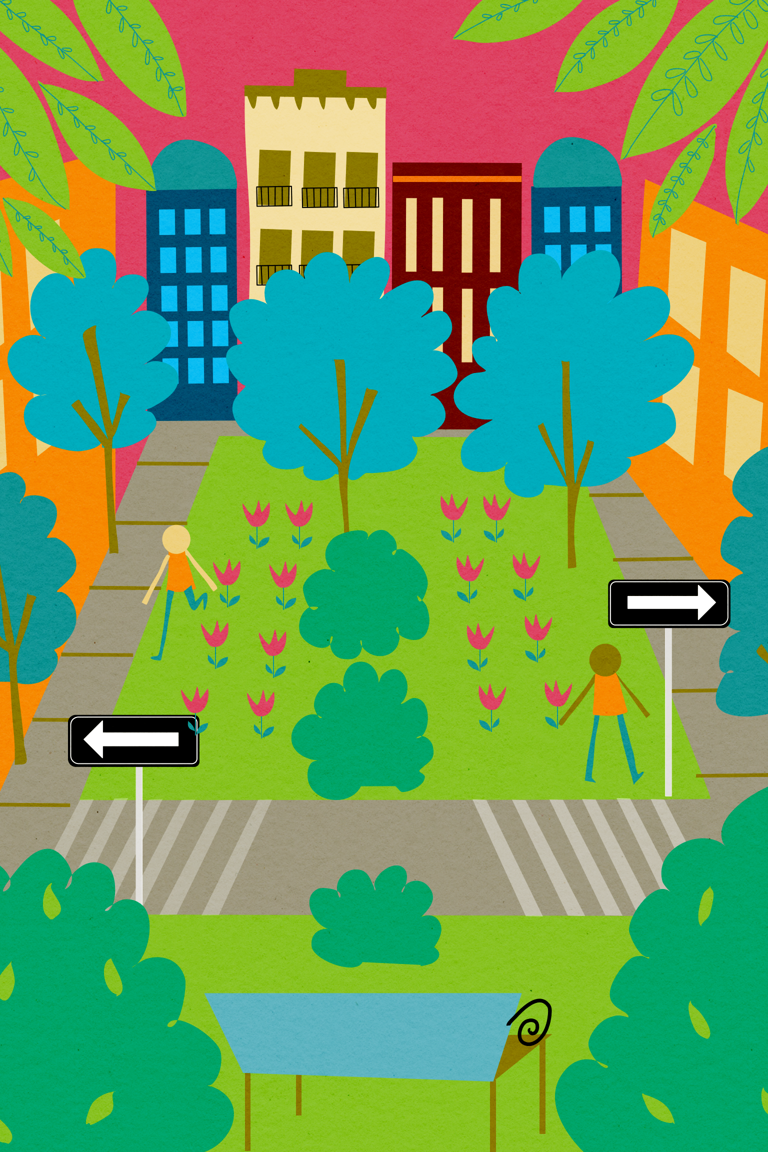

रहने योग्य शहर

तीव्र शहरीकरण से पर्यावरण के साथ ही शहरवासियों के स्वास्थ्य और कल्याण पर बहुत अधिक दबाव पड़ सकता है। इसके परिणामस्वरूप शहर में 'बढ़िया जीवन के लिए रहने योग्य स्थान', शहरी योजना, विकास और नीति-निर्माण के एक महत्वपूर्ण घटक के रूप में सामने आए हैं। बढ़िया जीवन के लिए रहने योग्य स्थान हेतु शहर के पर्यावरणीय प्रभावों को कम करते हुए शहरवासियों की बेहतर भलाई के लिए शहरी प्रणालियों और भवनों में रहने की जगह के विचार को एकीकृत किया जा सकता है।

'रहने योग्य शहरों' की कोई एकमात्र परिभाषा नहीं है; हालाँकि, सामान्य सिद्धांतों में स्वच्छ हवा, हरियाली से भरपूर स्थान और प्रकृति तक पहुँच, किफायती आवास, सुरक्षा, सामुदायिक तालमेल, स्वच्छ जल और सस्ती, उच्च-गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवा शामिल हैं। एक रहने योग्य शहर के सर्वोच्च प्राथमिकता के तत्व हर स्थान पर अलग होते हैं।

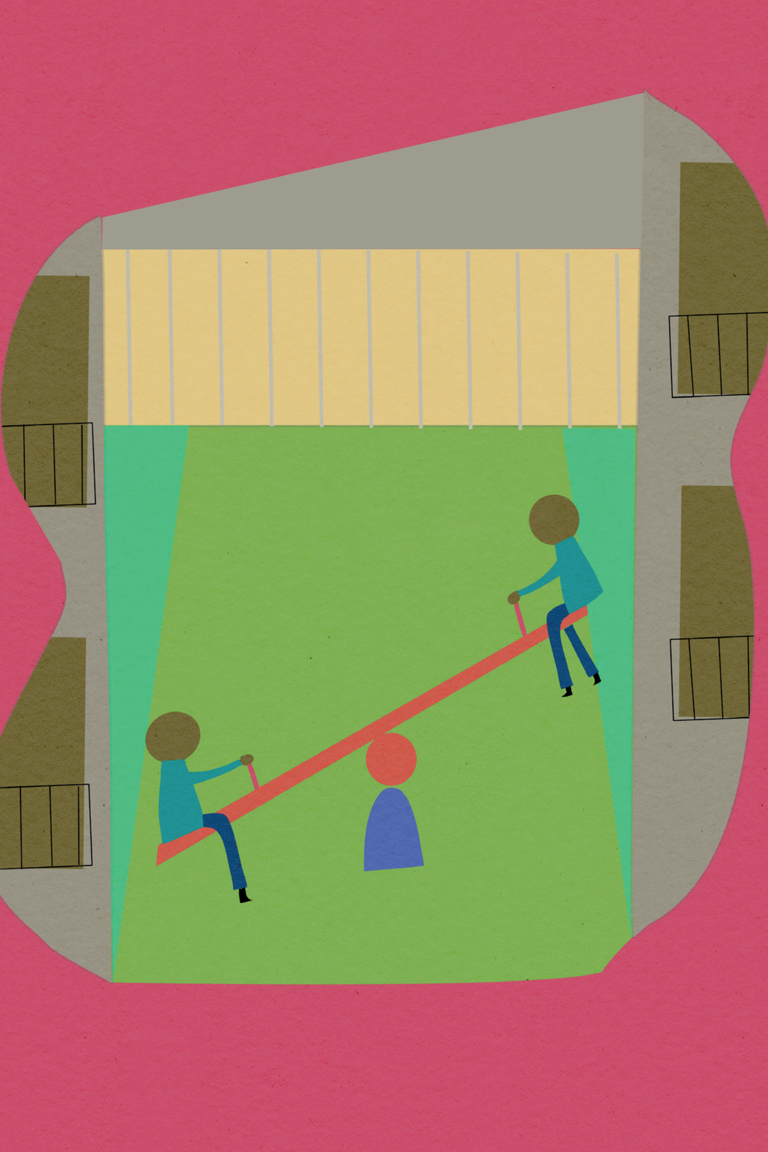

शहरी स्थानों में जगह बनाना

प्लेसमेकिंग (सार्वजनिक स्थानों की योजना, डिज़ाइन और प्रबंधन का बहु-पक्षीय दृष्टिकोण) उपेक्षित शहरी स्थान को एक आकर्षक सार्वजनिक स्थान का रूप दे सकती है। इसके उदाहरणों में एक व्यस्त सड़क के कोने पर एक बैंच लगाने जैसे आसान काम करने से लेकर बहुत सी ख़ाली पड़ी ज़मीन को बच्चों के खेल के मैदान में बदलना शामिल है। समुदाय संचालित, बहु-हितधारक प्रक्रिया, प्लेसमेकिंग आसपास के समुदायों को समावेशी, रचनात्मक, सहयोगपूर्ण और स्थिति के अनुरूप लाभ पहुंचाती है।

1. साइट चुनें - अपनी स्थल सज्जा (PLACEMAKING) परियोजना के लिए आसपास के किसी भी अप्रयुक्त सार्वजनिक स्थान या खाली इमारत के बारे में विचार करें।
2. स्थानीय प्राधिकरण से आवश्यक प्रतिबद्धता और अनुमति प्राप्त करें।
3. अन्य महत्वपूर्ण हितधारकों जैसे स्थानीय व्यवसायों और भवन स्वामियों को चिह्नित करें; उन्हें अपनी परियोजना के लिए उत्साहित और तत्पर करें।
4. परियोजना टीम के रूप में साइट का भ्रमण करें। आप प्रारंभिक विचार और डिजाइन विकसित करने के लिए साइट पर कार्यशाला भी आयोजित कर सकते हैं।
5. संसाधन मैपिंग संबंधी अभ्यास आयोजित करें – सहायता के लिए कौन उपलब्ध है, वे क्या, कहाँ और कब योगदान कर सकते हैं? तदनुसार संकल्पना को संशोधित करें।
6. अपनी स्थल सज्जा परियोजना पर शुरुआत करें – शुरूआत के लिए सप्ताहांत अच्छा समय है क्योंकि कमोबेश अधिक लोग उपलब्ध होंगे।
7. 2-3 सप्ताह के बाद अपनी प्रगति का औपचारिक रूप से आकलन करें; यदि आवश्यक हो तो कार्यान्वयन योजना को समायोजित करें।
8. स्थल सज्जा परियोजना जब पूरी हो जाए, तो इसके सतत संचालन और रखरखाव के लिए इसे स्थानीय प्राधिकरण को सौंप दें, या इसका अधिकार संभालने के लिए सामुदायिक समूह गठित करें।

ममोफ्रा फाउंडेशन घाना-आधारित गैर-लाभकारी संगठन है जो बच्चों के सांस्कृतिक और बौद्धिक जीवन को समृद्ध बनाने के लिए कार्यरत है। एक स्थल सज्जा परियोजना में, इसने एकरा के ज़ोरवुलु क्षेत्र में अल्प प्रयुक्त हरित स्थान के दो एकड़ भूखंड को बच्चों के मनोरंजन और खेल पर केंद्रित स्थान में रूपांतरित करने का काम किया। ममोफ्रा प्लेस (एकन में ममोफ्रा का अर्थ "बच्चे" है) नामक परियोजना, एकरा के तेजी से शहरीकरण, युवाओं की इसकी बड़ी आबादी और बच्चों के लिए सुरक्षित सार्वजनिक स्थानों के अभाव के प्रति प्रत्युत्तर था। इसके रखरखाव की जिम्मेदारी अब सामुदायिक समूह के पास है।

स्थानीय उत्सव

प्रसन्न और स्वस्थ समुदाय जीने योग्य शहर के प्रमुख संकेतकों में से एक है। और सामाजिक और सांस्कृतिक लगाव प्रसन्न और स्वस्थ समुदाय के प्रमुख तत्वों में से एक है। स्थानीय उत्सव लोगों के विभिन्न समूहों के लिए सामुदायिक भावना सृजित करते हुए मनोरंजक गतिविधियों और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के माध्यम से एक-दूसरे को जानने और उन्हें महत्व देने का शानदार अवसर हैं।

1. आपके द्वारा जहाँ उत्सव आयोजित करने की योजना हो, उस स्थानीय क्षेत्र को चिह्नित करें। स्थानीय समुदाय के बीच सुझाव साझा करें; सभी के उत्साह और भागीदारी को प्रोत्साहित करें।
2. उत्सव की रूपरेखा साथ मिलकर तैयार करें ताकि इससे सभी सामाजिक समूहों की भागीदारी सुनिश्चित हो।
3. खाका योजना स्थानीय प्राधिकरण को प्रस्तुत करें और उनकी अनुमति लें। किसी भी पड़ोसी संघ को भी शामिल करें।
4. अनुमति प्रदान कर दिए जाने के बाद, आयोजन समिति बनाएं और विस्तृत कार्य योजना बनाएं। उत्सव में विभिन्न गतिविधियाँ जैसे स्टॉल, खान-पान विक्रेता, संगीत, कला, प्रतियोगिताएं, बच्चों का खेल क्षेत्र आदि, शामिल करें।
5. आयोजन समिति के सदस्यों को जिम्मेदारियाँ सौंपें; प्रगति की रिपोर्ट करने और कार्य योजना को नवीनतम रूप देने के लिए नियमित रूप से मिलते रहें।
6. सामाजिक सद्भाव और लगाव पर उत्सव का(के) संदेश तैयार करें। सामाजिक/स्थानीय मीडिया के माध्यम से उत्सव का प्रचार-प्रसार करें।
7. किसी सुप्रसिद्ध स्थानीय निवासी के स्वागत भाषण से उत्सव की शुरुआत करें।
8. आयोजन के बाद, आयोजन समिति के सदस्यों, स्थानीय निवासियों और उत्सव में भाग लेने वालों से प्रतिक्रिया प्राप्त करें ताकि आगामी आयोजनों के बारे में सूचित किया जा सके।

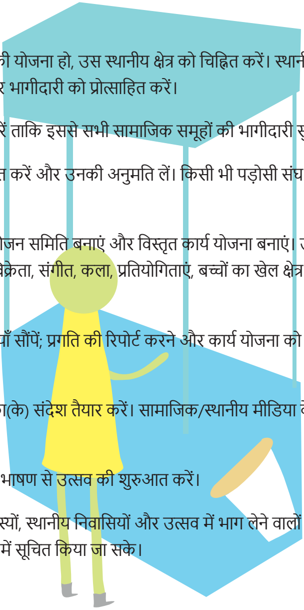

स्ट्रीट एंजेल्स युगांडा कंपाला का लाभ-निरपेक्ष, समुदाय-आधारित संगठन है जो सामाजिक सशक्तिकरण के लिए कला का उपयोग करता है। 2014 में इसने “कला के माध्यम से उनके रचनात्मक कौशल विकसित करके मलिन बस्तियों में रहने वाले लोगों को सशक्त बनाने के लिए” शहर में ‘स्लम उत्सव’ की व्यवस्था की। उत्सव का उद्देश्य सामाजिक समर्थन और परस्पर व्यवहार, सामुदायिक नाटक और संवाद, शिक्षा और सीखने, कौशल और आर्थिक सशक्तिकरण, पर्यावरण संबंधी जागरूकता और रूपांतरण को प्रोत्साहित करके सामाजिक लगाव और सद्भाव को बढ़ाना था।

CAR
FREE
DAY

कार-मुक्त दिन

कार-मुक्त दिवस प्रति माह किसी एक दिन शहर में विशेष सड़कों को बंद करने की पद्धति है, ताकि लोग उन्हें साइकिल चलाने, दौड़ने, चलने, आराम करने और सामाजिक रूप से घुलने-मिलने आदि जैसे कामों के लिए उपयोग कर सकें। कार-मुक्त दिवस स्वस्थ और सक्रिय जीवनशैली प्रोत्साहित करते हैं, वायु प्रदूषण कम करते हैं और सामुदायिक लगाव बढ़ाते हैं।

1. शहर में सड़कें बंद करने का अधिकार रखने वाले स्थानीय सरकारी अधिकारियों सहित कार-मुक्त दिन बनाने के लिए जरूरी प्रमुख भागीदारों की पहचान करें।
2. स्थानीय निवासियों की पहुँच और आपातकालीन सेवाओं के लिए प्रमुख मार्गों को खुला रखे जाने को ध्यान में रखते हुए सड़कों का चयन करें।
3. किसी लंबे आम मार्ग की घेराबंदी करके साइकिल-सवारों, स्केटर्स और धावकों जैसे तेज गति वाले उपयोगकर्ताओं के लिए कार-मुक्त दिवस की शुरुआत करने की योजना बनाएं। अन्य गतिविधियों जैसे निशुल्क फिटनेस कक्षाएं, अस्थायी कैफे स्थल और बच्चों के खेल क्षेत्र (जैसे सैंडपिट या पैडलिंग पूल) के लिए अलग-अलग क्षेत्र स्थापित करें।
4. स्थानीय मीडिया के माध्यम से कार-मुक्त दिन का विज्ञापन करें ताकि शहरवासी हिस्सा लेने की योजना बना सकें और मोटर चालक वैकल्पिक मार्गों की योजना बना सकें।
5. इस दिन पर्याप्त साइनेज सुनिश्चित करें ताकि पैदल यात्री साइकिल रास्ते या साइकिल-सवार पैदल रास्ते में न भटक सकें; लोगों को दिशानिर्देश देने और उनके प्रश्नों के उत्तर देने के लिए स्वयंसेवक परिचारकों की भर्ती करें।
6. कार-मुक्त दिवस का आनंद ले रहे लोगों की फोटोज़ और वीडियोज़ साझा करें। उपयोगकर्ताओं की संतुष्टि का सर्वेक्षण करें; परिणामों का उपयोग यह तय करने के लिए करें कि क्या इसे शहर में नियमित रूप से आयोजित करना चाहिए।

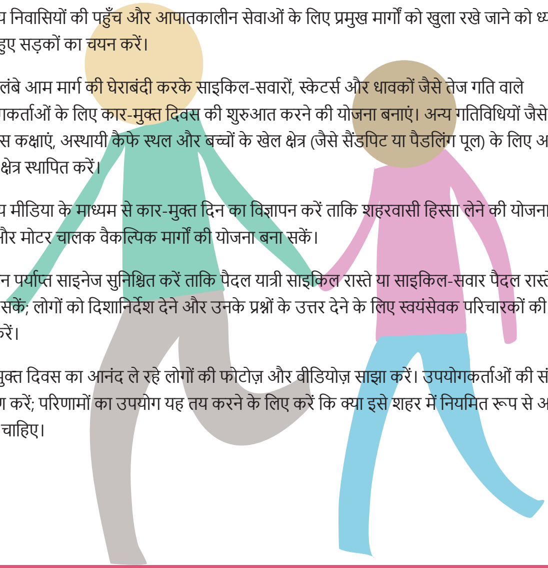

बोगोटा, कोलंबिया प्रत्येक रविवार, सुबह 7 बजे से दोपहर 2 बजे तक शहर की सड़कों की 120 किलोमीटर लंबाई गैर-मोटर चालित परिवहन का उपयोग करने वाले किसी भी व्यक्ति - साइकिल चालकों, स्केटर्स, स्कूटर और व्हीलचेयर-उपयोगकर्ताओं के लिए खोलता है। *सिकलोविआ (Ciclovía)* (या 'साइकिल मार्ग'), जैसा कि नाम से पता चलता है, में इसके मार्ग पर ऐसे 'मजेदार विराम' ('fun stops') हैं जहाँ लोग अन्य सामाजिक गतिविधियों के बीच खाने-पीने का सामान खरीद सकते हैं, संगीत सुन सकते हैं और फिटनेस कक्षाओं में भाग ले सकते हैं।

पैदल चलने वालों और अन्य उपयोगकर्ताओं के लिए लेनों को पेंट करना

बहुत से शहरों में पैदलयात्रियों, साइकिल चालकों और अन्य गैर-मोटर चालित परिवहन उपयोगकर्ताओं के लिए व्यस्त सड़कों के चौराहों को पार करना खतरनाक होता जा रहा है। लेनों को पैदलयात्रियों आदि के लिए स्पष्ट रूप से चिह्नित करने से प्रत्येक को सुरक्षित रखने में सहायता मिल सकती है और शहर में सब ओर गतिशीलता सुधर सकती है। लेनों का अंकन शहर की सड़कों को रंगीन और दिलचस्प भी बनाता है।

1. यह चिह्नित करें कि कहाँ पैदलयात्रियों/गैर-मोटर चालित वाहनों के उपयोगकर्ताओं को कार और अन्य यातायात से दूर रखकर उनके लिए लेन बनाने से सुरक्षा में वृद्धि होगी।
2. परियोजना के लिए स्थानीय प्राधिकरण की अनुमति लें। फिर, स्थानीय सामुदायिक समूहों, कलाकारों, स्कूलों और अन्य लोगों को शामिल करें, इस पर सामुदायिक रूप से परामर्श करें कि लेनों को कहाँ पेंट किया जाना चाहिए और डिजाइन सुझाव लें।
3. डिजाइन को अंतिम रूप दें और पेंटिंग में सहायता के लिए स्वयंसेवकों को खोजें।
4. लेनों को पेंट करने के लिए समय व्यवस्थित करें। सर्वाधिक व्यस्त सड़कों के मामले में देर रात या तड़के सुबह जब यातायात कम होता है तभी ऐसा किया जाना अपेक्षित है।
5. जब आप पेंट करें, तो उस क्षेत्र को अवरुद्ध करने में सहायता के लिए पुलिस या स्थानीय समुदाय समूह से अनुरोध करें। सुनिश्चित करें कि कम से कम एक व्यक्ति आसपास आने वाले यातायात पर नजर रखे।
6. सामग्रियां खरीदें और पेंटिंग शुरू करें। फुटपाथ पर डिजाइन की रूपरेखा तैयार करने और किए जाने वाले कार्य के लिए दूसरों को निर्देश देने के लिए किसी प्रमुख कलाकार की नियुक्ति करें। पेंटिंग को पूरा करने में कुछ दिन लग सकते हैं।

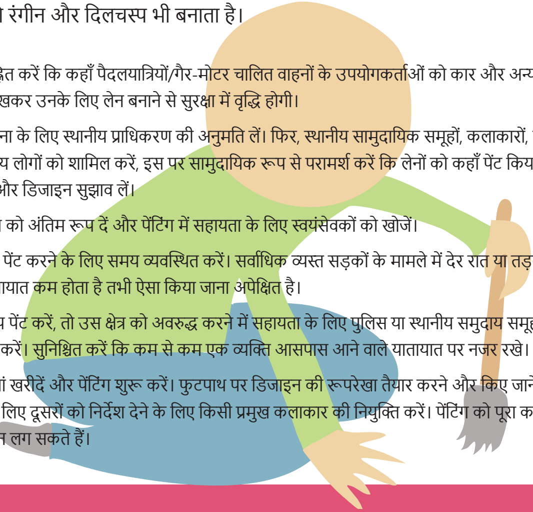

दुनियाभर के शहर रचनात्मक बन रहे हैं और पैदलयात्रियों, साइकिल चालकों और अन्य लोगों को यातायात से सुरक्षित रखने के लिए लेनों/चौराहों को पेंट कर रहे हैं। जैसे, चोंगकिंग, चीन में एक चौराहे को पियानो कीबोर्ड बजाने वाले हाथों की छवि में बदला गया; सैंटियागो, चिली में कलाकार ने स्कूल ऑफ फिश पेंट करके क्रॉसवॉक बनाया; और बैंकॉक, थाईलैंड के पास, छात्रों ने क्रॉसवाक की 3D इमेज बनाई ताकि ड्राइवर गतिरोध की आशंका में गति धीमी करने पर मजबूर हो जाएं।

रहने योग्य शहर

इस मॉड्यूल में बहुत-सी गतिविधियाँ जलवायु परिवर्तन अनुकूलन और शमन में सहयोग करती हैं। जैसे, कार-मुक्त दिन कार्बन डाइऑक्साइड और अन्य उत्सर्जनों में कटौती करते हैं; पैदलयात्रियों और अन्य उपयोगकर्ताओं के लिए लेनों को पेंट किया जाना पैदल चलने और गैर-मोटर चालित परिवहन के रूपों को बढ़ावा देता है; स्थल सज्जा अपशिष्ट सामग्रियों के बेहतर उपयोग को प्रोत्साहित करती है और अपशिष्ट को खत्म करने और संसाधनों के निरंतर उपयोग के उद्देश्य से चक्रीय अर्थव्यवस्था में योगदान देती है।

इन सभी उपायों के पीछे वे लोग हैं जो काम करते हैं और वे अन्य लोग जिनके जीवन में परिणामस्वरूप सुधार होता है। जैसे, स्थानीय उत्सव मनोरंजक गतिविधियों और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के माध्यम से लोगों के विभिन्न समूहों को एक साथ लाते हैं, जिससे प्रसन्न और स्वस्थ समुदायों में योगदान देते हैं – जो कि जीने योग्य शहर का प्रमुख संकेतक है।

वैश्विक स्तर पर विभिन्न आपस में जुड़े मुद्दों जैसे न्यू अर्बन एजेंडा और टिकाऊ विकास लक्ष्य (SDGs) के लिए भी जीने योग्य शहर प्रासंगिक हैं। जैसे, ये गतिविधियाँ SDG 11 में सीधे मैप होती हैं: "शहरों और मानव बस्तियों को समावेशी, सुरक्षित, लचीला और टिकाऊ बनाएं"। वे लक्ष्य 11.3 के लिए विशेष रूप से प्रासंगिक हैं: "सभी देशों में भागीदारी-युक्त, एकीकृत और टिकाऊ मानव बसावट नियोजन और प्रबंधन के लिए समावेशी और टिकाऊ शहरीकरण और क्षमता बढ़ाएं"; लक्ष्य 11.6: "वायु प्रदूषण पर विशेष ध्यान देने सहित शहरों के प्रति व्यक्ति पर्यावरण संबंधी प्रभाव को कम करें"; और लक्ष्य 11.7: "सुरक्षित और समावेशी हरे-भरे और सार्वजनिक स्थानों तक पहुँच प्रदान करें"। वे SDG 3 में भी योगदान करते हैं: "सभी उम्र के सभी व्यक्तियों के लिए स्वस्थ जीवन सुनिश्चित करें और कल्याण को प्रोत्साहित करें"; विशेष रूप से, लक्ष्य 3.6: "सड़क दुर्घटनाओं से वैश्विक मौतों और घायल होने की संख्या को आधा करें"।

इसके अलावा, ये गतिविधियाँ 2015 पेरिस समझौते के लिए देश की प्रतिबद्धताओं में योगदान करती हैं।

शीघ्र चेतावनी शीघ्र कार्रवाई

यह मॉड्यूल ऐसी कई गतिविधियों का सुझाव देता है जो कमजोर समुदायों को मौसम संबंधी जानकारी को अधिक प्रभावी ढंग से समझने और उपयोग करने में मदद करती हैं, जिससे वे जोखिमों को कम करने और अवसरों को अधिकतम करने के लिए शीघ्र कार्रवाई करने में सक्षम होते हैं। साथ में, ये गतिविधियाँ शीघ्र चेतावनी शीघ्र कार्रवाई दृष्टिकोण का निर्माण करती हैं।

'*मौसम संबंधी जानकारी समझना*' गतिविधि मौसम को और उनके समुदाय में इसके प्रभावों को समझने और पूर्वानुमान प्राप्त करने के लिए राष्ट्रीय मौसम सेवा से जुड़ने में लोगों की सहायता करने से संबंधित है।

'*सामुदायिक संचार नेटवर्कों को मैप करना*' गतिविधि समुदाय के भीतर संचार के प्रवाह को मैप करने का आसान तरीका है जो समुदाय के स्तर पर उपयुक्त संचार प्रणालियों के विकास में सहयोग कर सकती है।

'*संचार प्रणाली डिजाइन करें*' गतिवधि सूचना के प्रचार-प्रसार पर केंद्रित है। यह समुदाय के भीतर आवश्यक संदेशों को शीघ्रता से फैलाने के लिए संचार प्रणाली(लियों) को लागू करने के लिए चरण-दर-चरण मार्गदर्शिका है।

'*शीतलन केंद्र*' गतिविधि अत्यधिक गर्मी के दिनों में समुदाय के सदस्यों को सहयोग करने के तरीके के बारे में मार्गदर्शन प्रदान करती है।

मौसम की जानकारी को समझना

लोग मौसम और इसके प्रभावों के बारे में क्या महसूस करते हैं, इसकी समझ समुदायों के दिन-प्रतिदिन के जीवन पर मौसम के प्रभावों के बारे में बेहतर जागरूकता और तैयारी की ओर ले जाती है।

1. स्थानीय नेताओं और निवासियों से पूछें कि किस तरह का मौसम उनके समुदाय को सबसे गंभीर रूप से प्रभावित करता है। मौसम उनकी आजीविका को किस तरह प्रभावित करता है, यह जानने में निहित स्वार्थ रखने वाले लोगों का समूह शामिल करें (जैसे किसान, मछुआरे, व्यवसायी आदि)।
2. समूह के रूप में, समुदाय को प्रभावित करने वाले मुख्य मौसमी खतरों (जैसे भारी वर्षा, उच्च तापमान, तेज हवाएं) की पहचान करें। ऐसे खतरों जो सर्वाधिक प्रभावकारी थे, पर भागीदारों से मतदान करने का अनुरोध करने से पहले ऐसे प्रभावकारी मौसम पर चर्चा करके शुरुआत करें जो हाल ही में, के साथ-साथ अतीत में भी घटित हुआ हो। (न्यूनतम 30 मिनट)
3. फिर इन खतरों से उत्पन्न प्रभावों की सूची बनाएं, जो एक घटना से दूसरी घटना में अलग-अलग हो सकते हैं (जैसे किसी एक समय भारी वर्षा से मामूली बाढ़ आ सकती है; परंतु, अगली बार, इससे ऐसी भंयकर बाढ़ आ सकती है जो पशु धन और यहाँ तक कि घरों को बहाकर ले जाए)। सूची को 'मामूली' से 'बड़ा' प्रभावों के अनुरूप क्रमबद्ध करें।
4. स्थानीय मौसम की जानकारी देने वाले किसी ऐसे दैनिक या साप्ताहिक ऑनलाइन पूर्वानुमान का पता करें जिसमें आपका समुदाय शामिल हो। इसे राष्ट्रीय मौसम सेवा या निजी क्षेत्र की किसी मौसम कंपनी द्वारा प्रकाशित किया जा सकता है। (न्यूनतम 1 घंटा)
5. विभिन्न प्रकार के पूर्वानुमानों की स्थिति में सामुदायिक सदस्यों द्वारा संभवतया की जाने वाली कार्रवाइयों पर चर्चा करें। उदाहरण के लिए, यदि सूखे का पूर्वानुमान हो, तो फसलें बोने या इमारतों के निर्माण के लिए यह अच्छा समय हो सकता है।
6. पूर्वानुमान की नियमित रूप से निगरानी करें और संभावित उच्च-प्रभाव वाले मौसम जो समुदाय को प्रभावित कर सकता हो, के प्रति सतर्क रहें। सामुदायिक सदस्यों के साथ मौसम की जानकारी साझा करें ताकि प्रत्येक व्यक्ति अपनी आवश्यकताओं के अनुरूप समयबद्ध निर्णय ले सके।

दक्षिणी इथियोपिया में समुदाय के सदस्यों ने सूखे को अपने समुदाय में प्रभावी जोखिम के रूप में पहचाना। सूखे के बारे में पूर्वानुमान जानकारी प्राप्त करने और इसे रेडियो के माध्यम से प्रसारित करने के लिए स्थानीय NGO ने राष्ट्रीय मौसम सेवा के साथ काम किया।

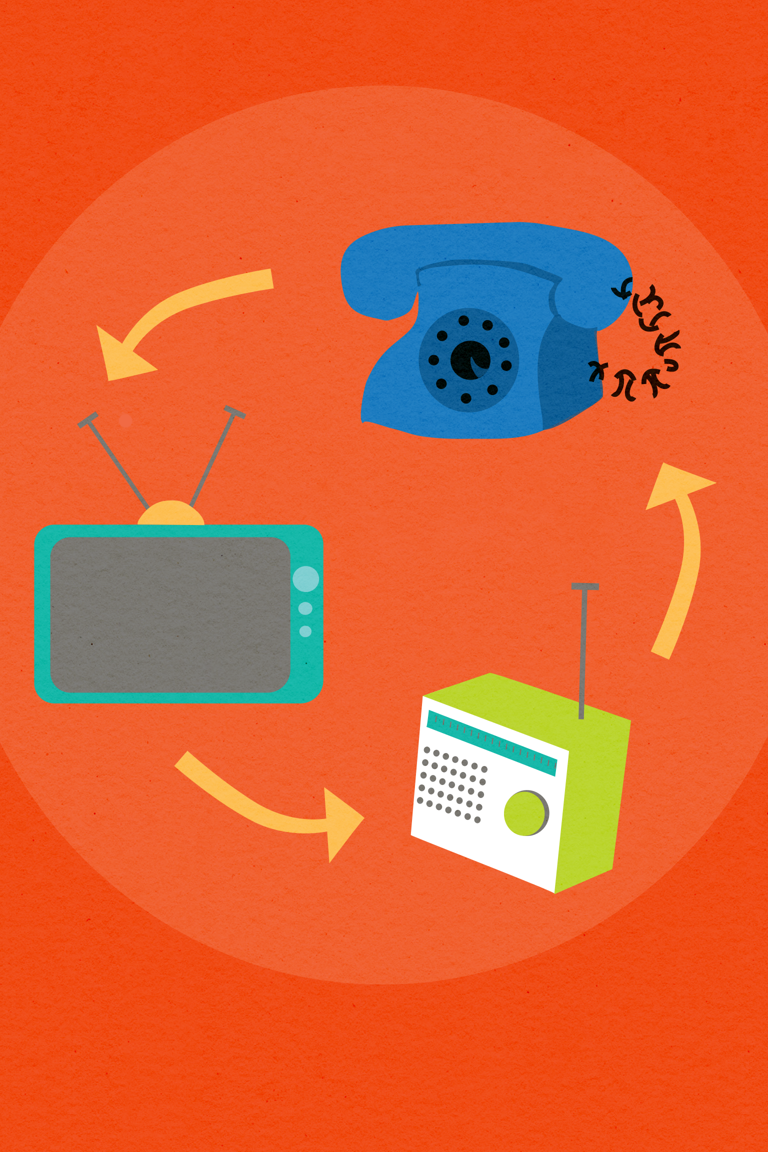

समुदाय के संचार नेटवर्क मैप करें

सूचना प्रवाह को मैप करना शहर के व्यापक सूचना पारिस्थितिक तंत्र को समझने के लिए आधार प्रदान करता है। यह विभिन्न चैनलों और स्वरूपों के माध्यम से समुदाय के सदस्यों के बीच जानकारी के प्रवाह को संग्रहीत करता है। यह कार्यकलाप सूचना के प्रवाह में अवरोधों की पहचान भी कर सकता है। इन्हें ठीक करने से स्थानीय स्तर पर जलवायु लचीलेपन में सुधार हो सकता है।

1. वे सामान्य और जलवायु संबंधी जानकारी कैसे प्राप्त करते हैं, के साथ-साथ उनके पसंदीदा मीडिया, स्वरूपों और सूचना प्राप्त करने में किसी भी कठिनाई के बारे में चर्चा के लिए समुदाय के सदस्यों का समूह बनाएं। यह भी चर्चा करें कि जानकारी प्राप्त करने पर वे किस तरह की कार्रवाई(याँ) करते हैं और प्रत्येक कार्रवाई को पूरा करने में कितना समय लगता है।

2. इसकी संचार अवसंरचना (जैसे सामुदायिक रेडियो) की पहचान करने के लिए स्थानीय क्षेत्र का निरीक्षण करें और जानकारी साझा करने में स्थानीय सेवाओं या सार्वजनिक भवनों द्वारा निभाई जा सकने वाली भूमिका समझें।

3. स्थानीय मीडिया, निर्णयकर्ताओं और डेटा प्रदाताओं के साथ अनौपचारिक बातचीत करें ताकि उनकी जानकारी संबंधी जरूरतों और वरीयताओं का गहन ज्ञान मिल सके। उपयोग किए जाने वाले विभिन्न स्वरूपों और मुख्य अवरोधों की धारणाओं सहित इससे यह भी इंगित होगा कि जानकारी का संचार कैसे होता है और इसे कैसे और कब साझा किया जाता है।

4. एकत्र की गई सभी सूचनाओं का उपयोग करते हुए, स्थानीय सूचना पारिस्थितिक तंत्र को मैप करें। विशेष रूप से, मौसम जानकारी कारकों और चैनलों की पहचान करें। विभिन्न प्रकार के कारकों (जैसे सूचना प्रदाता, मध्यस्थ, सूचना प्राप्तकर्ता) को कलर-कोड करना सहायक हो सकता है। अपना नेटवर्क बनाते समय, सबसे लोकप्रिय और प्रभावी चैनलों पर बल देने, और उन कारकों की पहचान करने के तरीकों पर विचार करें जिनके द्वारा जानकारी साझा करने से इसकी महत्ता बढ़ जाती है।

जून 2019 में, रिसर्जेंस टीम ने चियांग माई, थाईलैंड में एक माह चलने वाले कला और प्रौद्योगिकी कार्यक्रम "अंडरस्टैंडिंग रिस्क फील्ड लैब" में भाग लिया ताकि वे अपने सूचना पारिस्थितिकी तंत्र को मैप करके नोंग होई समुदाय में बेहद वर्षा और बाढ़ के जोखिमों को समझ सकें। स्थानीय निवासियों के साथ कार्यशालाओं, फील्ड दौरों और महत्वपूर्ण कारकों से साक्षात्कार के माध्यम से चियांग माई के सूचना नेटवर्क का खाका मानचित्र बनाया गया।

संचार प्रणाली डिजाइन करना

महत्वपूर्ण संदेश शीघ्रतापूर्वक साझा करने में समुदायों की मदद करने के लिए विविध-चैनल संचार प्रणाली डिजाइन करें। यह उन तरीकों पर आधारित होनी चाहिए जिनमें स्थानीय निवासी पहले से ही समुदाय में जानकारी साझा कर रहे हों। इन विधियों में कैस्केडिंग – जहाँ प्राप्तकर्ताओं का एक समूह दूसरे को संदेश भेजता है; प्रशिक्षण – जहाँ प्रमुख लोग चयनित चैनलों के माध्यम से संदेश प्रसारित करना सीखते हैं; और प्रतिक्रिया – जहाँ संचार प्रणाली के सभी उपयोगकर्ता यह रिपोर्ट करते हैं कि क्या कारगर है और कहाँ सुधार अपेक्षित है, शामिल हो सकते हैं।

1. संचार के लिए सबसे प्रभावी चैनलों की पहचान करें। स्थानीय प्रतिनिधियों की बैठक बुलाएं ताकि यह पता लगाया जा सके कि लोग अपने द्वारा वर्तमान में उपयोग किए जाने वाले संचार चैनलों पर विश्वसनीय जानकारी किस तरह साझा करते हैं और प्रतिक्रिया (सकारात्मक या नकारात्मक) प्राप्त करते हैं। कुछ चैनल आबादी के विशेष वर्गों तक अन्यों की तुलना में अधिक प्रभावी रूप से पहुँच सकते हैं जैसे वृद्ध SMS का उपयोग करते हैं; युवा लोग WHATSAPP जैसे सोशल मैसेजिंग ऐप पसंद करते हैं।
2. प्रत्येक चैनल के द्वार रक्षकों को पहचानें। यदि आप बच्चों और उनके माता-पिता के साथ संवाद करने के लिए स्कूलों का उपयोग करने का निर्णय लेते हैं, तो आपको मुख्य अध्यापकों का सहयोग अर्जित करना होगा। जैसे यदि आप स्कूल के FACEBOOK पेज के द्वारा संदेश प्रसारित करना चाहते हैं, तो आपको व्यवस्थापक से संपर्क करना होगा।
3. स्थानीय संचार चैनलों के अन्य द्वार रक्षकों का सहयोग अर्जित करें। आप क्या हासिल करना चाहते हैं, यह समझाएं। उनसे महत्वपूर्ण मौसम संदेशों को आगे भेजने और प्राप्तकर्ताओं से प्रतिक्रिया प्रदान करने का अनुरोध करें।
4. परीक्षण और समीक्षा। संचार वृक्ष कितने अच्छे से काम करता है, यह देखने के लिए परीक्षण संदेश का प्रचार-प्रसार करें। कोई भी जरूरी समायोजन करें।
5. अपने संदेश को समायोजित करने और बेहतर बनाने के लिए प्राप्तकर्ताओं और गेटकीपरों से प्रतिक्रिया की निगरानी रखें।

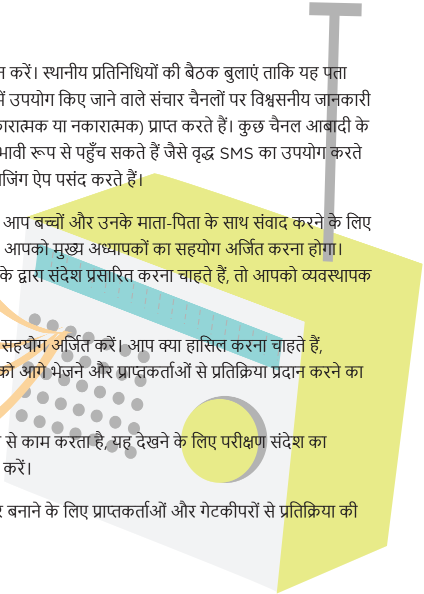

किबेरा (नैरोबी, केन्या में अनियमित बस्ती) में सामुदायिक विकास समूह ने मौसम संचार प्रणाली डिजाइन करने के लिए केन्या मौसम विभाग और स्थानीय नेताओं के साथ मिलकर काम किया। यह सामुदायिक रेडियो स्टेशन, Facebook पेज, WhatsApp समूह और SMS के माध्यम से प्रत्येक दिन 500,000 से अधिक निवासियों को मौसम संबंधी जानकारी और संबंधित सलाह का प्रचार-प्रसार करता है। महत्वपूर्ण रूप से, इसमें प्रतिक्रिया देने और प्राप्त करने का भी प्रावधान है।

शीतलन केंद्र

शीतलन केंद्र ऐसे स्थान हैं जहाँ बेहद गर्मी के दौरान लोग आराम कर सकते हैं और ठंडक प्राप्त कर सकते हैं। अत्यधिक तापमान झेलने वाले और गर्मी जनित आघात के जोखिम के प्रति असुरक्षित लोगों – यात्रियों, बाहर काम करने वाले कामगारों और बुजुर्गों द्वारा इनका उपयोग किया जाता है। प्रारंभिक कार्रवाई के रूप में, शीतलन केंद्रों को लागू करना आसान और कम खर्चीला है। हीटवेव का अनुभव करने वाले समुदायों में ये जीवनरक्षक उपाय हैं।

1. अत्यधिक गर्मी की अवधियों के लिए तत्पर होने के लिए मौसम पूर्वानुमानों और विशेषतया मौसम संबंधी चेतावनियों को नियमित रूप से देखते रहें।

2. ऐसे उपयुक्त स्थान की पहचान करें जो गर्मी जनित आघात झेलने वाले सामुदायिक सदस्यों के लिए सुलभ और सुविधाजनक हों जैसे रेड क्रॉस कार्यालय, सार्वजनिक भवन या निजी क्षेत्र द्वारा उपलब्ध कराए गए स्थान। अधिक लोगों तक पहुँचने के लिए आप शीतलन बसों या तंबुओं के साथ गतिशील रहने पर भी विचार कर सकते हैं।

3. केंद्र में शीतलन उपकरणों जैसे शेड्स, पंखों, ठंडे पानी के स्प्रे या वातानुकूलन इकाइयों की व्यवस्था करें। हवा के उचित प्रवाह की व्यवस्था सुनिश्चित करें।

4. आगंतुकों के लिए जलपान तैयार करें – जैसे ठंडा पानी या फलों का जूस। गीले तौलिए प्रदान करना भी गर्मी से कुछ राहत देने करने का अच्छा तरीका है।

5. गर्मी के खतरों पर साइन या पर्चे बनाएं। संदेश की पहुँच और समझ में सहायता के लिए ग्राफिक्स का उपयोग करें। आगंतुकों को खतरों के बारे में बताएं।

6. स्वयंसेवकों और शीतलन केंद्र पर आने वाले समुदाय सदस्यों के साथ अपने अनुभव साझा करें ताकि अत्यधिक गर्म मौसम के पूर्वानुमान पर आपके द्वारा अगली बार स्थापित किए जाने वाले शीतलन केंद्र में समायोजन/सुधार किए जा सकें।

जुलाई 2019 में, हनोई, वियतनाम हीटवेव से प्रभावित हुआ जिसमें उच्च तापमान लंबे समय तक 47.5 डिग्री सेल्सियस तक बना रहा। रेड क्रॉस कार्यालय और टेंट में शीतलन उपकरणों की व्यवस्था की गई ताकि संकटग्रस्त लोगों को गर्मी से राहत दी जा सके। उच्च तापमान की चपेट में आने से उबारने के लिए आगंतुकों को जलपान और बेहद जरूरी विश्राम प्रदान किया गया। शीतलन केंद्रों का प्रबंधन प्राथमिक चिकित्सा में प्रशिक्षित रेड क्रॉस स्वयंसेवकों द्वारा किया गया था।

लिंक बनाना

इस मॉड्यूल की गतिविधियाँ समुदायों और संकटग्रस्त समूहों को मौसम संबंधी जानकारी तक पहुँचने, समझने और इसे समझने में आसान और स्थानीय रूप से अधिक प्रासंगिक बनाकर उस पर कार्य करने में मदद करती हैं। मॉड्यूल में समुदाय में पहले से मौजूद चैनलों और कारकों का उपयोग करके निवासियों तक सूचनाओं के संचार को बेहतर बनाने के लिए डिजाइन की गई गतिविधियों की श्रृंखला शामिल है। सामूहिक रूप से, ये गतिविधियाँ सतत विकास लक्ष्य 13 से संबंधित हैं: "जलवायु परिवर्तन और इसके प्रभावों का मुकाबला करने के लिए तत्काल कार्रवाई करें"; और, विशेष रूप से, लक्ष्य 13.1: लक्ष्य 13.3 के साथ-साथ "सभी देशों में जलवायु संबंधी खतरों और प्राकृतिक आपदाओं के प्रति लचीलापन और अनुकूलन क्षमता को मजबूत करें": "जलवायु परिवर्तन शमन, अनुकूलन, प्रभाव में कमी और शुरुआती चेतावनी पर शिक्षा, जागरूकता संवर्धन और मानवीय और संस्थागत क्षमता में सुधार करें"। मौसम की जानकारी तक पहुँच, समझ और उपयोग को आसान बनाकर, ये गतिविधियाँ "ऐसे देश जहाँ लोगों के पास राष्ट्रीय तथा स्थानीय स्तरों पर सुलभ, सुबोध, उपयोग योग्य और प्रासंगिक आपदा जोखिम की जानकारी और मूल्यांकन उपलब्ध हो" की संख्या बढ़ाने का आह्वान करने वाले आपदा जोखिम कटौती के सेंडाइ फ्रेमवर्क के लक्ष्य G-5 में भी प्रत्यक्ष सहयोग करती हैं।

रचनात्मक संचार

इस मॉड्यूल में रचनात्मक संचार के कुछ ऐसे तरीकों का वर्णन किया गया है जिनका उपयोग आप शहरी मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए कर सकते हैं। शहरी स्थान रचनात्मक प्रेरणा से भरे हुए हैं; यहाँ, हम कुछ ऐसे रचनात्मक विचारों को साझा कर रहे हैं जो इन स्थानों का उपयोग करते हैं।

यदि निम्नलिखित उदाहरण आपकी कल्पनाओं को पंख देते हैं, तो क्यों नहीं आपके शहरी कार्यों में रचनात्मक संचार के अन्य तरीकों का पता लगाया जाए? रचनात्मक संचार का अर्थ महत्वपूर्ण संदेशों को व्यापक श्रोताओं तक पहुँचाना मात्र नहीं है। यह आपके स्वयंसेवकों और शहरी कार्यों में लगे भागीदारों के समूह में जुड़ाव और साझे उद्देश्य की भावना उभारने में भी सहायता कर सकता है।

रचनात्मक संचार स्थानीय समूहों के लिए शहरी संदेश प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लेने, और इन समुदायों की विविधता और उनके द्वारा प्रदान किए जाने वाले विभिन्न कौशलों से प्रेरित होने में सहायता करता है।

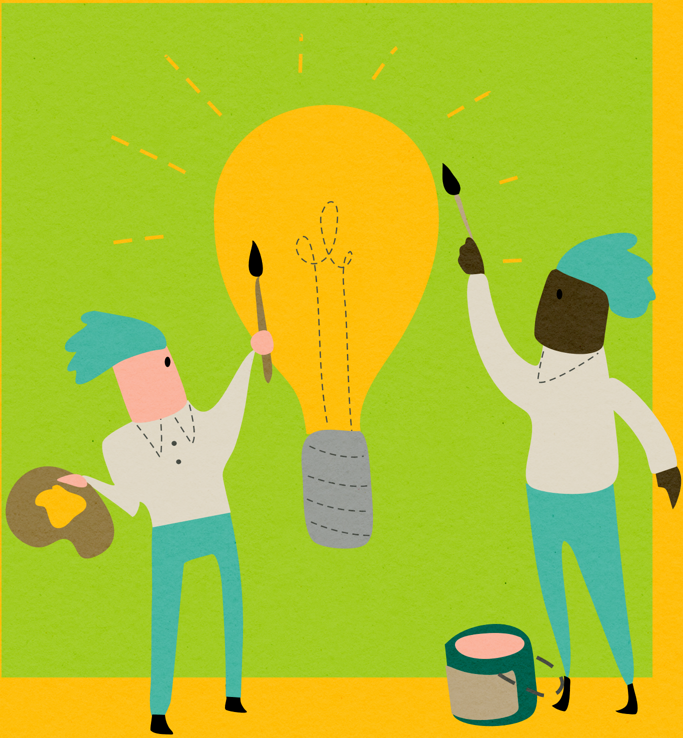

शहरी कला

शहरी कला भित्ति चित्र, मोजैक और मूर्तियाँ बनाने के लिए लोगों को एक साथ लाती है। कलाकृति डिजाइन करके और बनाकर, लोग शहर के प्रति नई दृष्टियाँ साझा कर सकते हैं, जीवंत रंगों से अपने स्थानों को नया रूप दे सकते हैं और संस्कृति, स्वास्थ्य या यहाँ तक कि जलवायु परिवर्तन या प्राकृतिक आपदाओं जैसे विषयों पर महत्वपूर्ण संदेश दे सकते हैं। शहरी कला लोगों को प्रेरित कर सकती है, शहरवासियों का जीवन उज्ज्वल कर सकती है और समानता और समावेश को प्रोत्साहित कर सकती है।

1. स्थानीय प्राधिकरण, सामुदायिक समूह, स्कूल और कलाकार स्वयंसेवकों और सामग्रियों सहित संसाधनों की स्थापना और पहचान करने के लिए विचारों को आकार देने में मदद कर सकते हैं। लागतें न्यूनतम रखने के लिए, स्थानीय आपूर्तिकर्ताओं से यह अनुरोध करने पर विचार करें कि क्या वे कोई सामग्री आदि प्रदान कर सकते हैं।

2. शहर के ऐसे स्थानों के बारे में सोचें जिनका सौंदर्य अभाव, विशेष कामकाज या अपराध के कारण कम उपयोग किया जाता है। सरकारी इमारतों जैसे स्थिर स्थानों और शहरी बसों जैसे सचल स्थानों पर विचार करें। स्थान(नों) को पहचानें, आवश्यक अनुमतियां लें, और विषय या संदेश से सहमत हों। कला स्थापना के डिजाइन का रेखाचित्र बनाएं और दर्शाएं कि यह किस तरह स्थान को रूपांतरित करेगा। प्रत्येक शामिल व्यक्ति के साथ डिजाइन और संकल्पना साझा करें।

3. स्वयंसेवक शामिल करें और कलाकृति निर्मित करने के तरीके की योजना बनाएं - परियोजना के आकार और इसमें शामिल लोगों की संख्या के आधार पर काम समाप्त करने में कुछ दिन या कुछ सप्ताह लग सकते हैं।

4. रचनात्मक बनें! यदि वे खुले में, किसी ऊंचे स्थान पर काम कर रहे हों, नुकीले उपकरणों का उपयोग कर रहे हों, या शहर के असुरक्षित/अंधेरे क्षेत्रों में काम कर रहे हों, तो स्वयंसेवकों की सुरक्षा पर ध्यान दें। काम की प्रगति सोशल मीडिया पर पोस्ट करें और स्थानीय मीडिया को शामिल करें।

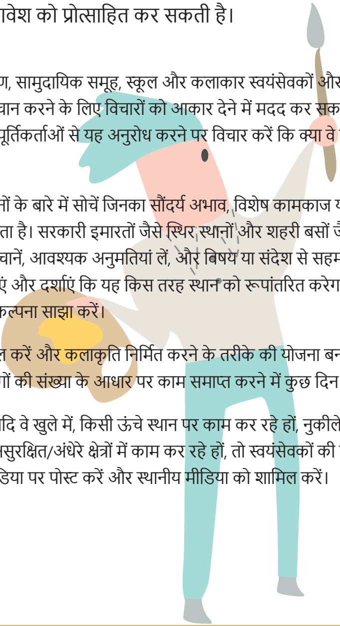

2007 में, अमेरिकन रेड क्रॉस के सैन फ्रांसिस्को बे एरिया चैप्टर ने स्थानीय उपयोगिता कंपनी, राष्ट्रव्यापी स्वास्थ्य देखभाल प्रदाता और विज्ञापन फर्म से भागीदारी की। साथ मिलकर, उन्होंने शहर के चारों ओर भयावह भूकंप की संभावित क्षति को दर्शाने वाले अस्थायी भित्ति चित्र लगाए। यह दो-दिवसीय अभियान परिवारों को तत्परता योजना के प्रेरित करने पर केंद्रित था।

रणनीतिक शहरी व्यवहार

दुनियाभर के शहर सार्वजनिक स्थलों आदि के उपयोग से संबंधित दीर्घकालिक पूर्व-निर्धारित लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए अल्पकालिक, अनुकूलनीय परियोजनाओं का उपयोग करते हैं। जैसाकि सब जानते हैं 'रणनीतिक शहरी व्यवहार', कार्रवाई से संबंधित है। यह दीर्घकालिक परिवर्तन उत्प्रेरित करने के लिए अल्पकालिक, मितव्ययी और विस्तार योग्य पहलों का उपयोग करके निर्मित परिवेश की चुनौती के प्रति शहर, संगठन और/या नागरिक नेतृत्व वाले दृष्टिकोण से संबंधित है। इसके उदाहरणों में किसी परित्यक्त पार्किंग स्थान को अस्थायी रूप से कैफे में बदलना; भारी यातायात वाले क्षेत्र में क्रॉसवाक्स पेंटिंग करना; और फुटपाथ को 'हरा-भरा' करने के लिए इसमें गमलों में लगे पौधे रखना शामिल है।

1. अपने शहर के निर्मित परिवेश की चुनौतियों का पता लगाएं और उन चुनौतियों की सूची बनाएं जिन पर आप ध्यान देना चाहते हैं। किसी एक चुनौती का चयन करें और ऐसे रचनात्मक विचारों के बारे में सोचें जो यह दिखाते हों कि अस्थायी परिवर्तनों से इस चुनौती पर कैसे विजय पाई जा सकती है।

2. अपनी सक्रियता में सहयोग के लिए उपयुक्त भागीदारों को शामिल करें। इनमें स्थानीय प्राधिकरण, नागरिक सामाजिक संगठन और/या सामुदायिक समूह शामिल हो सकते हैं।

3. भागीदारों के साथ कार्यक्रम की योजना बनाएं। ऐसे शहरी ब्लॉक, चौराहे, पार्किंग स्थल, फुटपाथ या अन्य क्षेत्र की पहचान करें जहाँ ये अस्थायी परिवर्तन लागू किए जा सकते हैं। आवश्यक अनुमतियाँ लें। तय करें कि परिवर्तन कितने समय में मूर्त रूप लेंगे (विशिष्ट रूप से 1-7 दिन); जिन कार्यों को पूरा किए जाने की जरूरत हो, उनकी सूची बनाएं और उन्हें टीम को आवंटित करें।

4. कार्रवाई करें और प्रगति के दस्तावेज बनाएं। नए दिखने वाले स्थान में घुलने-मिलने वाले लोगों के फोटोज़ और वीडियोज़ साझा करें। स्थानीय अधिकारियों को स्वयं देखने के लिए आमंत्रित करें।

5. परिणाम पर भागीदारों के साथ विचार-विमर्श करें। आपके द्वारा चिह्नित चुनौतियों पर विजय पाने वाले स्थायी परिवर्तन करने के लिए समुदाय और स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर काम करने के तरीके पर विचार करें।

लुसाका, ज़ांबिया में शहर में अत्यधिक गर्मी के कारण उत्पन्न जोखिमों के बारे में जागरूकता बढ़ाने और मानव स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों से बचने के लिए गर्मी के प्रकोप के दौरान किए जाने वाले महत्वपूर्ण कार्यों का सुझाव देने के लिए रणनीतिक शहरी व्यवहार का उपयोग किया गया। कार्रवाई के दिन अनियमित बस्ती में धूप की छतरियों और फुटबाथों के साथ शीतलन स्टेशन, ढोल और स्लैम कविता शामिल किए गए।

फ्लैशमोब्स

फ्लैशमॉब किसी सार्वजनिक स्थान पर लोगों के बड़े समूह का बेतरतीब प्रतीत होने वाली ऐसी समन्वित कार्रवाई है जिसमें वे थोड़े समय के लिए मनोरंजक करतब दिखाते हैं और फिर तितर-बितर हो जाते हैं। फ्लैशमॉब का उद्देश्य मनोरंजक तरीके से जनता का ध्यान आकर्षित करना और किसी संदेश जैसे गर्मी में कैसे सुरक्षित रहें, को प्रसारित करना है।

1. स्थानीय रंगमंच कला विद्यालय या सामुदायिक समूह के स्वयंसेवकों का समूह बनाएं। आपका संदेश सुनने की आवश्यकता किसे है, और ये लोग विशेष तौर पर शहर में कहाँ मिल सकते हैं, के आधार पर तय करें कि फ्लैशमॉब कहाँ किया जाना है।

2. उन शीर्ष तीन महत्वपूर्ण संदेशों पर चर्चा करें जिन्हें आप व्यक्त करना चाहते हैं। उदाहरण के लिए, हीटवेव्स (गर्म हवाओं) पर महत्वपूर्ण बिंदुओं में निम्नलिखित शामिल हो सकते हैं: जोखिम (जैसे हीटवेव्स घातक हैं); आत्म-सुरक्षा के उपाय (जैसे दिन के सबसे गर्म समय के दौरान घर के अंदर रहकर स्वयं को सुरक्षित रखें); और आने वाले खतरे के बारे में आम लोगों को सूचित करें (जैसे शनिवार को हीटवेव आएगी)।

3. इन संदेशों को पहुँचाने और स्थानीय श्रोताओं से जुड़ने का तरीका विकसित करने के लिए समूह की रचनात्मक शक्तियों का उपयोग करें। जैसे, आप किसी लोकप्रिय गाने से संगीत लेकर इसके बोलों को अपने मुख्य संदेशों से बदल सकते हैं। या आप किसी विशेष नृत्य मुद्रा के साथ कुछेक वाक्यांश जोड़ सकते हैं। रचनात्मक बनें!

4. अभ्यास करें और दिखाएं। सफल फ्लैशमॉब बड़ी भीड़ और सामाजिक/स्थानीय मीडिया कवरेज आकर्षित करेगा।

नई दिल्ली, भारत में स्वयंसेवकों ने अत्यधिक गर्मी के बारे में सरल संदेशों जैसे: अधिक पानी पीएं, अपना सिर ढककर रखें और दिन के सबसे गर्म समय - 12:00 से 15:00 के बीच “आराम करें, आराम करें, आराम करें”, के साथ फ्लैशमॉब की योजना बनाई। उन्होंने गर्म तापमान से निपटने के तरीके के बारे में आगंतुकों और निवासियों को सचेत करने के लिए हवाई अड्डे और व्यस्त बाजार में प्रदर्शन किया।

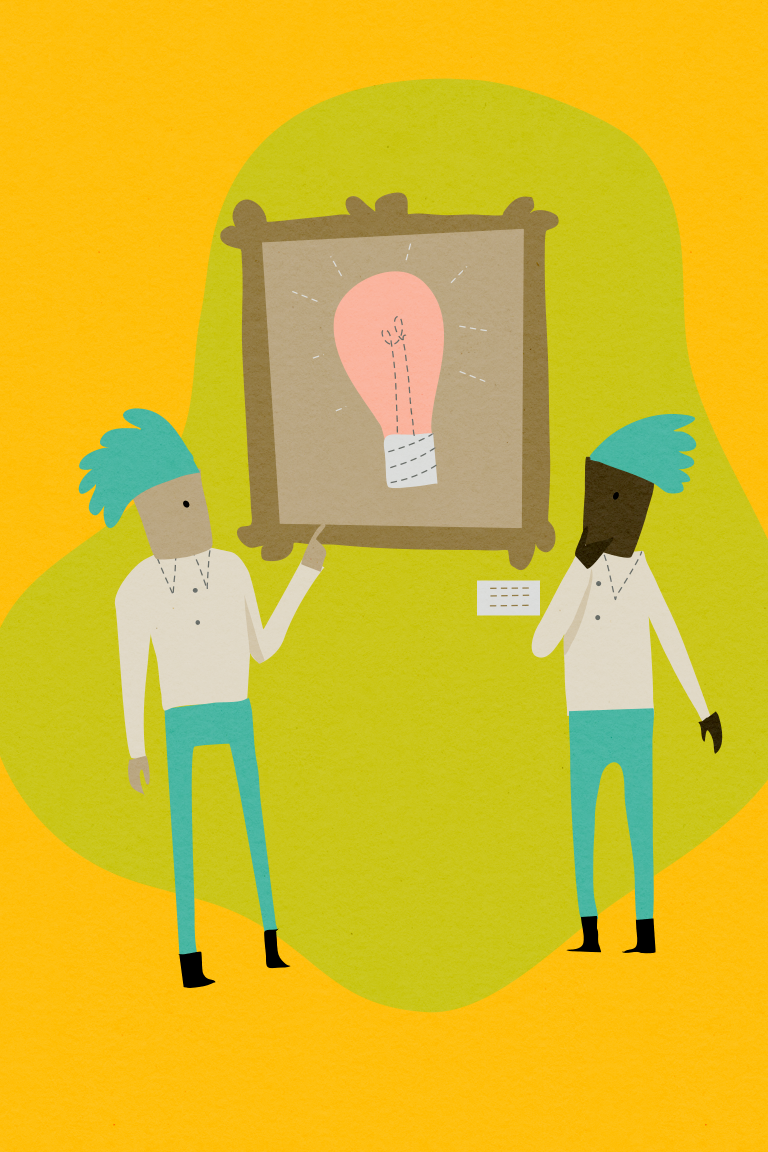

कार्टून-ए-थॉन (कार्टून प्रतियोगिता) आयोजित करें

कार्टून-ए-थॉन्स में कार्टून कलाकार की मदद से कार्टूनों को तुरंत तैयार और परिष्कृत करना और विचार तथा अंतर्दृष्टियां हासिल करने के लिए दर्शकों से प्राप्त प्रतिक्रिया का उपयोग करना शामिल है। कार्टून सीधे और आकर्षक तरीके से किसी मामले की गहराई में पहुँच सकते हैं।

1. किसी विषय का चयन करें। यह किसी भी शहरी विषय जैसे स्वस्थ और जीने योग्य शहर बनाना या शहर में सुरक्षित रहना, से संबंधित हो सकता है।
2. स्थानीय कार्टूनिस्ट को शामिल होने का अवसर प्रदान करें। विषय की चुनौतियों और अवसरों पर ध्यान केंद्रित करते हुए कार्टूनिस्ट से प्रारंभिक मसौदे (ड्राफ्ट) बनाने का अनुरोध करें।
3. कार्यक्रम स्थल खोजें और इसे बुक करें; कार्टून-ए-थॉन में शामिल होने के लिए सीमित संख्या में लोगों को आमंत्रित करें; कार्यक्रम में आवश्यक सामग्रियों की व्यवस्था करें।
4. कार्टून-ए-थॉन की शुरुआत में विषय का परिचय दें और लोगों को सोचने के लिए प्रेरित करें। वक्ताओं को विषय से संबंधित उनके अनुभव साझा करने के लिए आमंत्रित करते हुए और/या सभी दर्शकों से एक सुझाव देने का अनुरोध करते हुए कार्यक्रम का मंच संचालन करें।
5. प्रतिभागियों को उन्हें देखने और कार्टूनों से संबंधित उनके अनुभवों या अंतर्दृष्टियों को अन्यों से साझा करने के लिए प्रोत्साहित करने से पहले कार्टूनों के शुरुआती मसौदे प्रदर्शित करें।
6. फिर प्रतिभागियों को मुख्य सत्र में शामिल होने और कार्टूनों पर उनके विचार साझा करने के लिए आमंत्रित करें। साथ ही, कार्टूनिस्ट से दर्शकों की प्रतिक्रिया के आधार पर प्रारंभिक ड्राफ्ट को संशोधित करने का अनुरोध करें।
7. अंतिम कार्टून को दर्शकों से साझा करें। लोगों को स्वयं द्वारा सीखी गई बातों के बारे में संक्षेप में अपने विचार प्रकट करने के लिए आमंत्रित करें। कार्यक्रम के समापन से पहले कार्टूनिस्ट और प्रतिभागियों को औपचारिक रूप से धन्यवाद दें।

स्पेन के अंडालुसिया क्षेत्र, फ्रांस के नौवेले-एक्विटेन क्षेत्र, इतालवी डोलोमाइट्स और स्कॉटलैंड के ग्लासगो क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रतिनिधियों के साथ जटिल, परस्पर जुड़े शहरी मुद्दों के अन्वेषण के लिए कार्टून-ए-थॉन का आयोजन किया गया। प्रतिभागियों की राय से, कार्टूनिस्ट ने अल्पकालिक, चुनाव-चक्र नीतियों और नियोजन की सीमाओं के बावजूद दीर्घकालिक, चिरस्थायी परिवर्तनों को सृजित किए जाने के बारे में चित्र बनाए। कार्यक्रम के बाद, सार्थक रूपांतरण का औचित्य समझाए जाने के लिए कार्टूनों को और अधिक व्यापक रूप से साझा किया गया था।

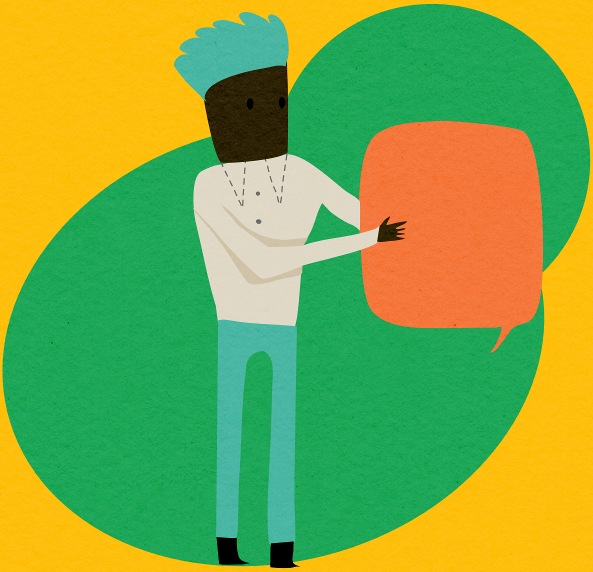

रचनात्मक आभासी संचार

प्रभावी ढंग से प्रलेखित, रचनात्मक संचार शहरी सक्रियता और रचनात्मकता के शक्तिशाली उदाहरण हो सकते हैं – जो विचारों और समाधानों को वैश्विक दर्शकों के समक्ष प्रदर्शित करते हैं। महत्वपूर्ण मुद्दों को उजागर करने, रचनात्मक संचार प्रदर्शित करने और वैश्विक नीति से जुड़ने के लिए फोटोग्राफों और वीडियोज़ को वस्तुतः साझा किया जा सकता है।

यदि दुनिया भर के शहरी क्षेत्रों में एक साथ समन्वित कार्रवाई की जाए, तो रचनात्मक संचार वैश्विक नीति स्तर पर विशेष रूप से प्रभावी है। रचनात्मक संचार को विश्वव्यापी कार्यक्रमों, उदाहरण के लिए विज्ञान, चिकित्सा, खेल, प्रौद्योगिकी या राजनीति से जोड़ना संदेशों की वैश्विक पहुँच और प्रभाव सुनिश्चित करने का अन्य तरीका है।